श्री नरेन्द्र सिंह, मा0 उपाध्यक्ष, पूर्वान्चल विकास बोर्ड की अध्यक्षता में दिनांक 01 अक्टूबर, 2024 को देवीपाटन मण्डल, गोण्डा में आयोजित पूर्वान्चल विकास बोर्ड की बैठक का कार्यवृत्त।

बैठक की उपस्थिति संलग्न है।

2- सर्वप्रथम आयुक्त, देवीपाटन मण्डल, गोण्डा द्वारा पूर्वान्चल विकास बोर्ड के मा0 उपाध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् जिलाधिकारी,गोण्डा एवं अन्य मण्डलीय अधिकारियों द्वारा बोर्ड के उपस्थित मा0 सदस्यगण का स्वागत किया गया।

3- आयुक्त, देवीपाटन मण्डल, गोण्डा द्वारा बैठक में उपस्थित श्री नरेन्द्र सिंह, मा0 उपाध्यक्ष, मा0 सदस्यगण, विशेष सचिव, नियोजन तथा उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए देवीपाटन मण्डल, गोण्डा के सम्बन्ध में निम्नवत् अवगत कराया गया:-

- देवीपाटन मण्डल की स्थापना दिनांक 21 नवम्बर, 1997 को हुयी थी। इस मण्डल का नाम जनपद बलरामपुर में स्थित माँ पाटेश्वरी देवी के दिव्य शक्ति पीठ के नाम पर रखा गया है। मण्डल में कुल 4 जनपद, 4 लोकसभा क्षेत्र, 20 विधानसभा क्षेत्र, 16 तहसील, 44 विकासखण्ड एवं 8 नगरपालिका परिषद हैं।
- देवीपाटन मण्डल में रामायण काल व महाभारतकाल से सम्बन्धित विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक स्थल हैं। बहराइच नगर के पास चित्तौरा झील के निकट महाराजा जनक के गुरु का आश्रम रहा है। यह भी माना जाता है कि बहराइच का पौराणिक नाम ब्रहमाइच (ब्रहमा की नगरी) था। श्रावस्ती रामायणकाल का महत्वपूर्ण व्यापारिक स्थल व श्रीराम के पुत्र लव की राजधानी रही है। श्रावस्ती जैन एवं बौद्ध धर्म का भी महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। जनपद श्रावस्ती के इकौना क्षेत्र में महर्षि वाल्मिकी का आश्रम है वहाँ माता सीता अयोध्या त्यागने के उपरान्त यहाँ रहीं तथा लव और कुश का जन्म वहीं पर हुआ। आज भी वहाँ सीताद्वार मन्दिर व पवित्र सीताझील स्थित है। महाभारत काल से सम्बन्धित स्थलों में जनपद गोण्डा में स्थित पृथ्वीनाथ मन्दिर व जनपद श्रावस्ती के सिरसिया ब्लाक में स्थित विभूतिनाथ मन्दिर की स्थापना जनश्रुति के अनुसार कुन्ती पुत्र भीम द्वारा अपने वनवास काल में की गयी थी। श्रावस्ती में ही पत्नीकुण्ड नामक स्थान दानवीर कर्ण का महल था। जनपद श्रावस्ती में हिमालय क्षेत्र में पाण्डव ताल के नाम से एक ताल है जिसके बारे में यह कहा जाता है कि यक्ष ने युधिष्ठर से यहीं प्रश्न किये थे। इसके अतिरिक्त धार्मिक/पर्यटन स्थल स्वामीनरायन छपिया मन्दिर, बाराही देवी मन्दिर, खैरा भवानी मन्दिर, दुःखहरन नाथ मन्दिर, कतर्निया वन्यजीव बिहार, सुहेलवा वन्यजीव विहार आदि हैं। जनपद बलरामपुर के पचपेड़वा विकास खण्ड में थारू संग्रहालय की स्थापना की गयी है। जनपद बलरामपुर की तुलसीपुर तहसील में माँ पाटेश्वरी शक्तिपीठ स्थित है। मा0 मुख्यमंत्री जी के आशीर्वाद से श्री देवीपाटनधाम तीर्थ विकास परिषद का गठन नियमित निकाय के रूप में दिनांक 8 दिसम्बर, 2023 को किया जा चुका है। इस परिषद द्वारा इसके विकास हेतु विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

- देवीपाटन मण्डल के अन्तर्गत 10 चीनी मिलें है। जनपद गोण्डा के मनकापुर में इण्डियन टेलीफोन इण्डस्ट्रीज, मनकापुर है। यह मण्डल उद्योग की दृष्टि से बहुत समृद्ध नहीं है किन्तु मा0 मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अन्तर्गत मण्डल में कुल 751 एम0ओ0यू0 प्राप्त हुए जिसमें प्रस्तावित निवेश रू0 12392.87 करोड़ एवं प्रस्तावित रोजगार सृजन 114971 है जिसके सापेक्ष कुल 327 इकाईयों का Ground Breaking Ceremony (GBC) किया जा चुका है जिसमें रू0 5893.24 करोड़ का निवेश तथा 27738 रोजगार सृजन प्रस्तावित है। कुल 175 वाणिज्यिक इकाईयों द्वारा उत्पादन शुरू किया जा चुका है जिनमें रु0 2208.84 करोड़ का निवेश किया गया है एवं 14605 लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है।
- मण्डल की कुल जनसंख्या का लगभग 78 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर आश्रित है। यहाँ की प्रमुख फसलें गन्ना, चावल, गेहूँ, जौ, ज्वार, बाजरा, मक्का, मूँग, मसूर, चना, मटर, अरहर, सरसों, अलसी, तिल एवं मूँगफली हैं। मा0 मुख्यमंत्री जी की आकांक्षाओं को साकार करने की दिशा में मण्डल में कृषकों की आय बढ़ाने हेतु एफ0पी0ओ0 के माध्यम से कृषि उपजों के लिए उन्नत बीज व बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मिड-डे-मील योजना में मण्डल में परिषदीय विद्यालय में महाराजा सुहेलदेव एग्रो एफ0पी0ओ0 के साथ एम0ओ0यू0 (MoU) किया गया है जिससे मशरूम उत्पादन करने वाले किसानों की उपज को उचित मूल्य मिल रहा है तथा परिषदीय स्कूल के बच्चों को पौष्टिक आहार मिल रहा है।
- मण्डल में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देने हेतु मा0 मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से जनपद बहराइच व गोण्डा में स्थापित मेडिकल कालेजों में इसी वर्ष 100-100 छात्रों को मेडिकल शिक्षा प्रदान करने का सत्र प्रारम्भ हो गया है। मण्डल के जनपद बलरामपुर में भी किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय का सेटेलाइट सेन्टर स्थापित किया गया है जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करने में गति मिलेगी। जनपद बलरामपुर, गोण्डा, बहराइच में रक्त पृथक्करण इकाई क्रियाशील है तथा जनपद श्रावस्ती में इसे क्रियाशील किया जा रहा है।
- मण्डल में गोण्डा, बहराइच एवं बलरामपुर रेल मार्ग से जुड़े हुए है। इस मण्डल में आधारभूत अवस्थापना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) सुविधाओं के क्षेत्र में अभी कार्य करने की आवश्यकता है। मण्डल से कोई भी फोरलेन व एक्सप्रेस-वे नहीं गुजरता है। अतः धार्मिक व पर्यटन की दृष्टि से फोरलेन परिपथ की स्थापना की आवश्यकता है।
- मण्डल शिक्षा की दृष्टि से उत्तरोत्तर सुधार की दिशा में अग्रसर है। इस मण्डल के श्रावस्ती जनपद के 381 विद्यालयों में प्रोजक्टर, लैपटॉप, एल0ई0डी0 टी0वी0 उपलब्ध कराते हुए स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किये गये हैं। इसी प्रकार जनपद बलरामपुर में 70 स्कूलों को चिन्हित कर प्रति स्कूल 50 टेबलेट उपलब्ध कराते हुए PAL आधारित स्मार्ट क्लासेज का कार्य किया गया है। जनपद बहराइच एवं गोण्डा में भी इसके हेतु प्रयास किया जा रहा है। माध्यमिक विद्यालयों में प्रोजेक्ट अंलकार के अन्तर्गत अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया

जा रहा है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जनपद बलरामपुर में मा0 मुख्यमंत्री जी के आशीर्वाद से मॉ पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना का कार्य कराया जा रहा है।

- मण्डल में जनपद गोण्डा के दूरस्थ जंगलों में निवासरत अतिगरीब वनटांगिया ग्रामों के अन्तर्गत ग्रामवासियों के साथ चौपाल व दीपोत्सव का वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर सरकार के विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं से संतृप्त किया गया तथा दिनांक 22.10.2023 को जिला प्रशासन द्वारा शक्ति वन्दन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें 11000 कन्याओं का वन्दन, भोज व हाइजिन किट का वितरण किया गया। इसमें 11000 कन्याओं के पूजन का सफल आयोजन व जीरो वेस्ट मैनेजमेंट के प्रबन्धन हेतु जिला प्रशासन गोण्डा को इण्डिया गिनीज बुक आफ रिकार्ड में अवार्ड प्राप्त हुआ है।
- नारी सशक्तिकरण के दृष्टिगत भी मण्डल में महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं। जनपद गोण्डा में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की आजीवका सम्वर्धन हेतु उनके द्वारा निर्मित उत्पादों को अरगा ब्रांड प्रदान कर व्यवसायीकरण किया गया साथ ही शक्ति कैफे, अरगा कैन्टीन इत्यादि की स्थापना महाविद्यालयों एवं शासकीय कार्यालयों में कराया गया। बहराइच में महिला सशक्तिकरण के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूह की सदस्य आरती को बकिंघम पैलेस, लंदन में प्रिंस चार्ल्स द्वारा अमल क्लूनी महिला सशक्तिकरण अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- मण्डल के समस्त जनपदों की 3423 ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालय की स्थापना करके उसे कॉमन सर्विस सेन्टर के रूप में विकसित किया गया है जहाँ पंचायत सहायक मानदेय पर कार्यरत हैं। इनके माध्यम से ग्रामवासियों को स्थानीय स्तर पर आय, जाति, निवास, खतौनी, मृत्यु एवं जन्म प्रमाण-पत्र आदि उपलब्ध कराये जा रहे हैं।
- मण्डल में विगत दिनों में आयी बाढ़ से प्रभावित लोगों को त्वरित सहायता पहुंचायी गयी। विस्थापित परिवारों को न केवल राशन सामग्री वितरित की गयी अपितु उनके पुनर्वासित होने तक की समस्त व्यवस्थाओं का तत्परता से प्रबंधन सुनिश्चित किया गया जिसकी प्रंशसा माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा अपने मण्डल भ्रमण के दौरान की गयी।
- जनपद गोण्डा में परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने व जाम की समस्या को दूर करने के लिए एक ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना की आवश्यकता है। जनपद श्रावस्ती में सड़क परिवहन निगम के एक बस अड्डे की स्थापना की आवश्यकता है क्योंकि मण्डल के दूरस्थ क्षेत्रों में परिवहन के साधनों का काफी अभाव है। साथ ही पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अयोध्या, गोंडा, तुलसीपुर, सिरसिया होते हुए भिनगा तक फोरलेन रोड की आवश्यकता है।
- युवाओं को रोजगार प्रदान करने तथा क्षेत्र की आय को बढ़ाने के लिए मण्डल के प्रत्येक जनपद में एक-एक वृहद औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की आवश्यकता है। साथ ही स्थानीय आवश्यकतानुसार कौशल विकास हेतु एक वृहद कौशल विकास केन्द्र की स्थापना की आवश्यकता है।

- स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए भारत नेपाल बार्डर पर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के सुदृढ़ीकरण व आवास बनाये जाने की आवश्यकता है जिससे डाक्टरों/ स्वास्थ्यकर्मी द्वारा दूरस्थ क्षेत्रों में आवासित होकर अपनी बेहतर सेवा दी जा सके।

4- विशेष सचिव, नियोजन द्वारा पूर्वान्चल विकास बोर्ड के मा0 पदाधिकारियों तथा बैठक में उपस्थित अधिकारियों का स्वागत करते हुए बोर्ड के गठन, उद्देश्य एवं कार्यों पर प्रकाश डालते हुए अवगत कराया गया कि मा0 मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से पूर्वान्चल क्षेत्र के विकास को गति प्रदान करने के लिए परामर्शी संस्था के रुप में पूर्वान्चल विकास बोर्ड का गठन हुआ है। इस बोर्ड का प्रमुख कार्य प्रदेश के पूर्वान्चल क्षेत्र के विकास हेतु सुझाव देना है। इस बोर्ड की प्रथम बैठक जुलाई, 2019 में मा0 मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में लोक भवन, लखनऊ में सम्पन्न हुई थी। तत्पश्चात् मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार इस बोर्ड की बैठकें पूर्वान्चल सम्भाग के विभिन्न मण्डलों में आयोजित हो चुकी हैं। देवीपाटन मण्डल, गोण्डा में बोर्ड की यह सोलहवीं बैठक है। पूर्वान्चल विकास बोर्ड की सम्पादित बैठकों के कार्यवृत्तों को सम्बन्धित विभागों को सम्यक परीक्षण कर परीक्षण आख्या/कृत कार्यवाही की स्थिति उपलब्ध कराने हेतु प्रेषित किया जाता है।

5-श्री नरेन्द्र सिंह, मा0 उपाध्यक्ष, पूर्वान्चल विकास बोर्ड द्वारा बोर्ड के मा0 पदाधिकारीगणों, आयुक्त, देवीपाटन मण्डल, गोण्डा, विशेष सचिव, नियोजन, जिलाधिकारी, गोण्डा तथा सभागार में उपस्थित सभी अधिकारियों का स्वागत करते हुए सर्वप्रथम सभी प्रतिभागियों का परिचय प्राप्त किया गया। तत्पश्चात् मा0 उपाध्यक्ष द्वारा बोर्ड के मा0 पदाधिकारीगणों को अपने विचार व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया गया।

6- श्री अशोक चौधरी, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड द्वारा निम्न सुझाव दिये गये:-

- प्रयागराज के यमुनापार की चार तहसीलों मेजा, करछना, बारा, कोरांव को मिलाकर पृथक जिले का सृजन कराना।
- प्रयागराज के मेजा और कोरांव विकासखण्ड से काटकर खीरी को नया विकासखण्ड बनाने पर विचार करना।
- प्रयागराज की करछना तहसील के कचरी देवरी में पावर प्लान्ट हेतु 2010 में अधिग्रहीत निष्प्रयोज्य भूमि को पावर प्लान्ट की स्थापना हेतु या कोई अन्य उद्योग स्थापित करने पर विचार करना।
- रसूलाबाद से द्रौपदी घाट तक बांध बनाकर गंगानगर, बेलीगांव, ओम नगर, बेली कछार आदि को बाढ़ की विभीषिका से प्रभावित पांच लाख से अधिक आबादी को निजात दिलाने हेतु सर्वे कराना।
- प्रयागराज के यमुनापार और गंगापार को जोड़ने के लिए गंगा नदी पर सिरसा और सैदाबाद, हण्डिया तक पुल प्राथमिकता के आधार पर बनाकर दक्षिण भारत से आने वाले ट्रैफिक को प्रयागराज शहर में प्रवेश से रोका जाना।

- प्रयागराज के यमुनापार क्षेत्र के घूरपुर/पण्डुवा प्रतापपुर को कौशाम्बी से जोड़ने के लिए यमुना नदी पर एक पुल बनाया जाना।
- प्रयागराज के बन्द पड़े उद्योगों यथा- इण्डियन टेलीफोन इन्डस्ट्रीज, भारत पम्प एण्ड कम्प्रैसर, डेज मेडिकल, जय श्री टायर, टी0एस0एल0, स्वदेशी काटन मिल, जी0ई0सी0, त्रिवेणी इंजीनियरिंग आदि को पुनर्जीवित किया जाना।
- यूपीसीडा द्वारा आवासीय प्लाटों के मूल रजिस्ट्री अभिलेख आवंटी को न देकर स्वयं रखे जाने के आलोक में प्लाटों के मूल रजिस्ट्री पेपर आवंटी को दिलाया जाना।
- प्रयागराज से हल्दिया तक जल परिवहन का क्रियान्वयन कराना।
- प्रयागराज एयरपोर्ट को अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट घोषित किया जाना।
- राजापुर रोडवेज वर्कशाप को शहर से बाहर झूँसी / नैनी में विस्थापित करने पर विचार कर वर्कशाप व साथ की अन्य भूमि इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय को मेडिकल कालेज बनाने के लिए दिये जाने पर विचार करना।
- शंकरगढ़, प्रयागराज में प्रस्तावित उद्योग गलियारे का चिन्हीकरण किया जाय जिससे भू-माफियाओं द्वारा की जा रही अवैध प्लाटिंग पर रोक लग सके।
- विकासखण्ड हण्डिया, जनपद प्रयागराज में सभागार निर्माण से सम्बन्धित प्रस्ताव ग्राम्य विकास आयुक्त, लखनऊ कार्यालय में लम्बित होने के आलोक में इसमें त्वरित गति लाना।
- जनपद बहराइच के तराई और नेपाल सीमा के तरफ की भूमि उपजाऊ होने के कारण वहाँ फूड प्रोसेसिंग की इकाई की स्थापना हेतु सर्वे कराया जाना।
- स्थानीय निवासियों के कथनानुसार जनपद बहराइच में नेपाल की सीमा से सटे गाँवों में बांग्लादेश मुस्लिम आबादी की बसावट में वृद्धि होने के आलोक में गम्भीरता से जाँच की आवश्यकता होना।
- बाढ़ नियत्रण इकाईयों द्वारा अक्टूबर से जून तक सूखे सीजन में बाढ़ की योजनाओं पर काम करके बाढ़ के जल का समुचित प्रबन्धन सुनिश्चित किया जाना।
- प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित किया जाना।
- ग्रामीण जनता को आत्मनिर्भर बनाने हेतु ग्रामीण कुटीर उद्योगों जैसे- मिट्टी के बर्तन बनाना, डेरी उत्पादन, शाक-सब्जी का उत्पादन, फूलों की खेती, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, सुअर पालन आदि के लिये किसानों को प्रोत्साहित करना।
- कृषि विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल लगाकर किसानों को धान और गेहूँ की पारम्परिक खेती से हटकर मोटे अनाज की उपज के लिए प्रशिक्षित कराया जाना।
- प्रयागराज में बढ़वारी खुर्द गांव से कोरांव ड्रमण्डगंज रोड से प्रभुनाथ पाण्डेय के घर से होते हुए बढ़वारी माइनर पटरी तक सड़क निर्माण (लगभग 2 कि0मी0)।
- इटवा कला, प्रयागराज से चमारीपुर, घोरी, सुजनी, पाल पट्टी होते हुए रीवा रोड तक सड़क का निर्माण (लगभग 18 कि0मी0)।

- रीवा रोड प्रयागराज में जारी से आगे बारा तहसील तक सड़क का निर्माण (लगभग 13 कि0मी0)।
- डिहार (खीरी कोरॉव प्रयागराज) कुब्टी काली रोड से समुन्दर आदिवासी के घर से होते हुए डिहार रोड़ तक सड़क निर्माण (लगभग 1 कि0मी0)।

7- श्री राजकुमार शाही, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड द्वारा निम्न सुझाव दिये गये:-

- सिंचाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नलकूपों हेतु लगाये गये ट्रांसफार्मरों को जलने की स्थिति में अतिशीघ्र बदला जाना ।
- विद्युत के 20 कनेक्शन वाले गांवों में उचित क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया जाना।
- प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अन्तर्गत कनेक्शन दिये जाने विषयक समुचित जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार कराना।
- छुट्टा पशुओं से होने वाली समस्याओं के समाधान पर विचार किया जाना।
- जनपद गोण्डा में पिछड़ापन अधिक होने के आलोक में इस जनपद का तीव्र विकास करना।

8- श्री विजय विक्रम सिंह, मा0 सदस्य, पूर्वांचल विकास बोर्ड द्वारा निम्न कार्यों को कराये जाने पर बल दिया गया:-

- देवीपाटन मंदिर का विकास विन्ध्याचल और काशी विश्वनाथ मंदिर की तरह किया जाना।
- जनपद बलरामपुर में मसूर दाल की पांच किस्मों का उत्पादन बहुतायत में होता है। अत: यहां दाल से जुड़े लघु उद्योग स्थापित किया जाना आवश्यक है।
- जनपद बलरामपुर के 250 से 300 गांव हर साल बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित होते हैं, अत: समय से सिल्ट की सफाई, मजबूत तटबंधों का निर्माण और बाढ़ नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्य योजना आवश्यक है।
- घाघरा-सरयू नदी के संगम स्थल पसका, बारा क्षेत्र और गोस्वामी तुलसीदास जी की जन्म स्थली को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना।
- श्रावस्ती एयरपोर्ट को अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विकसित किया जाना।
- जनपद श्रावस्ती में कोई बस डिपो नहीं होने से इस जनपद में बस डिपो की व्यवस्था किया जाना।
- जनपद श्रावस्ती को रेल मार्ग से जोड़े जाने की आवश्यकता है।
- जनपद श्रावस्ती का इकौना एवं जमुनहा विकासखण्ड राप्ती नदी के पार पड़ते हैं, जबकि सिरसिया विकासखण्ड जंगल पार स्थित हैं, यहाँ अग्निकाण्ड को रोकने के लिए अग्निशमन केंद्र की स्थापना आवश्यक है।
- जनपद श्रावस्ती में बौद्ध सर्किट स्थापित किया जाना आवश्यक है। बौद्ध सर्किट परियोजना पर फोकस कर विदेशी पर्यटकों को ज्यादा से ज्यादा पूर्वांचल के बौद्ध धर्म के तीर्थ स्थल की यात्रा के लिए आकर्षित कर सकते हैं। पूर्वांचल के इन बौद्ध तीर्थ स्थलों का वैश्विक स्तर का विकास कर वैश्विक बौद्ध तीर्थाटन का बहुत बड़ा केंद्र बनाना आवश्यक है।

- पूर्वांचल के बौद्ध तीर्थ स्थलों पर विदेशियों के भ्रमण के लिए वातानुकूलित बसों का संचालन किया जाना।
- श्रावस्ती जनपद की जनजातीय शिल्पकला और फर्नीचर को अंतर्राष्ट्रीय पहचान हेतु वैश्विक बाजार उपलब्ध कराना आवश्यक है।
- जनपद श्रावस्ती के जनजातीय क्षेत्र के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन जैसी योजनाओं के अन्तर्गत लोगों को व्यापक रूप से अनुदान दिया जाना चाहिए।
- जनपद श्रावस्ती में कोई चीनी मिल नहीं है, यहां के लोगों को अपने गन्ने को बेचने के लिए बलरामपुर की चीनी मिलों पर निर्भर रहना पड़ता है। अत: श्रावस्ती में चीनी मिल की स्थापना पर विचार किया जाना।
- जनपद श्रावस्ती में छोटे बड़े कोई उद्योग नहीं है। प्राकृतिक संसाधन होने के दृष्टिगत यहां साबुन, वाशिंग पाउडर, अगरबत्ती, धूपबत्ती के लघु उद्योग स्थापित किया जाना आवश्यक है।
- जनपद श्रावस्ती के सिरसिया क्षेत्र में नेपाल की सीमा से सटे थारू बहुल गांवों की शिल्प कला को बढ़ावा देकर वहां के लोगों को रोजगार मुहैया कराना और जिले के बड़े भू-भाग पर लगे कीमती पेड़ों से फर्नीचर तैयार करके अधिक से अधिक लोगों को रोजगार से जोड़ना आवश्यक है किन्तु बाजार उपलब्ध न होने से इन दोनों उद्योगों को बढ़ावा नहीं मिल रहा है जबकि इन उद्योगों की संभावना जिले में है। नेपाल की सीमा से सटे मोतीपुरकला, रनियापुर, कटकुइयां कला आदि गांवों में थारू जनजाति के लोग बसते हैं। शिक्षा का अभाव तथा रोजगार के अवसर न होने के बाद भी थारू जनजाति की शिल्प कला अपने आप में मायने रखती है। घास फूस से घर सजाना हो या फिर घरेलू उपयोग की वस्तुएं बनाना, इसमें थारू महिलाओं का कोई जोड़ नहीं है। जंगली घास फूस से डलिया, ढकिया, टोकरी, रस्सी, चटाई आदि वस्तुओं को आकर्षक ढंग से तैयार करना इनका खास हुनर है। इसके अलावा कपड़ों पर नक्काशी भी इनके द्वारा की जाती है, लेकिन यह सब वस्तुएं बाजार तक नहीं पहुंच पा रही हैं जिससे इनकी आमदनी नहीं हो पा रही है। अत: वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देकर थारू महिलाओं की कलाकृतियों को वैश्विक पहचान मिल सकती हैं।
- जनपद श्रावस्ती और गोण्डा में केले का उत्पादन बहुतायत में होता है अत: स्थानीय स्तर पर इनकी मार्केटिंग, पैकेजिंग, फाइनेंशियल मदद और ब्रांडिंग आवश्यक है।
- जनपद श्रावस्ती में कन्या महाविद्यालय की स्थापना आवश्यक है।
- जनपद श्रावस्ती के इकौना में कंकरा घाट पर पुल बनाया जाना जनहित में आवश्यक है।
- जनपद बलरामपुर में भगवती गंज में पुल बनाया जाना जनहित में आवश्यक है।
- जनपद बलरामपुर नगर के चारो तरफ रिंग रोड का निर्माण आवश्यक है।
- जनपद बहराइच के दो विकासखण्ड पखरपुर एवं हजूरपुर को सीधे जोड़ने हेतु सरयू नदी पर सिकरी घाट पर पुल बनना अति आवश्यक है। इस पुल के बन जाने से पखरपुर विकासखण्ड के सहौरा, सिंगरो, होल्यारा, अचौकिया आदि गांव के लोग चिलपरिया रेलवे स्टेशन से सीधे

जुड़ जायेंगे। इन ग्राम सभाओं का थाना रानीपुर सरयूपार है, ग्रामवासी अपने पुलिस थाने पर जाने के लिए पखरपुर से बहराइच होते हुए रानीपुर लगभग 50 किमी दूर घूम कर जाते हैं।

- देवीपाटन मण्डल के अंतर्गत आने वाले सभी जनपदों में बहुतायत में वन क्षेत्र है। अत: मण्डल के निराश्रित गौवंश को गौशालाओं में न रखकर इन वन क्षेत्रों में ही रखा जाए तो निराश्रित गौवंश के लिए भी बेहतर रहेगा और इन गौवंश पर होने वाले राजस्व व्यय की भी बचत होगी।
- पूर्वान्चल की सहकारी बैंको को पुनः क्रियाशील किया जाना।
- भारत रत्न श्रद्धेय नानाजी देशमुख जी की कर्मस्थली जयप्रभा ग्राम को विकासखण्ड घोषित किया जाना।
- बलरामपुर और श्रावस्ती जनपद में थारू जनजाति को मुसहर और वनटांगिया जनजाति की तरह विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जाना।
- जनपद बलरामपुर के श्रीदत्तगंज बाईपास से घरदौरी, चाईडीह, खम्हरिया, अलादाद, केरावगढ़, मनियारियाघाट खम्हरिया मार्ग पर किमी नं0-7 पर स्थित राप्ती नदी पर बड़े पुल का निर्माण किया जाना।
- जनपद बलरामपुर के श्रीदत्तगंज मनियरिया मार्ग पर समय माता स्थान से ग्राम खरदौरी को जाने वाले मार्ग पर पक्की सड़क का निर्माण (लगभग 4 कि0मी0)।
- जनपद बलरामपुर के श्रीदत्तगंज मनियरिया मार्ग (समय माता स्थान से 400 मी0 आगे) से वायभीट होते हुए बाघाजोत तक का निर्माण (लगभग 2 कि0मी0)।
- जनपद बलरामपुर के गैसड़ी विधानसभा के विशुनापुरा विश्राम में पंचायत भवन के पास सामुदायिक शौचालय का निर्माण/मरम्मत का कार्य।
- जनपद बलरामपुर के गैसड़ी विधानसभा के सोनगढ़ा से मनसुरवा मार्ग पर पथरहवा नाला पुलिया का कार्य।
- जनपद बलरामपुर की गैसड़ी विधान सभा के भुसहर ऊँचवा से चंदनपुर तक सम्पर्क मार्ग पर सड़क निर्माण कार्य (लगभग 4.6 कि0मी0)।
- जनपद बलरामपुर के तुलसीपुर विधानसभा के मध्यनगर गांव के दक्षिण खलिहान में नकटी नाला तक सड़क का निर्माण (लगभग 1.5 कि0मी0)।
- जनपद श्रावस्ती के जोखवा लक्ष्मणपुर मार्ग से गैनडीह गांव तक पक्की सड़क का निर्माण (लम्बाई लगभग 4 कि0मी0)।
- जनपद श्रावस्ती में संतलिया खपरीपुर मार्ग से दुबेपुरवा गांव तक सड़क का निर्माण (लम्बाई लगभग 2 कि0मी0)।
- जनपद श्रावस्ती में दुधवनिया पक्की रोड से विशुनापुर गांव तक सड़क का निर्माण (लम्बाई लगभग 1.5 कि0मी0)।
- जनपद गोण्डा के इटियाथोक बाजार में विसुही नदी पर पुल बनाया जाना।
- कटरा गोण्डा मार्ग पर बाबा बाजार के पास स्थित गंडाही तालाब का सुंदरीकरण।

- जनपद गोण्डा के शुभागपुर रेलवे स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज बनाया जाना।
- जनपद गोण्डा में मेहनौन के अंतर्गत स्थित 1000 एकड़ में फैले तरीताल का सुंदरीकरण।
- जनपद गोण्डा के कटरा बाजार कौडिया से चंदवतपुर कैथोला स्टेशन होते हुए बालापुर बाजार सड़क का निर्माण (लम्बाई लगभग 20 कि0मी0)।
- गोण्डा जरवल मार्ग की दोनों रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज जनहित में बनाया जाना।
- प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजो से लड़ते हुए शहीद हुए गोरखपुर के नरहरपुर स्टेट के राजा हरिप्रसाद मल्ल जी और उनके साथ शहीद हुए लोगों की स्मृति में शहीद स्मारक तथा अंग्रेजों द्वारा ध्वस्त किए गए किले को ऐतिहासिक धरोहर के रूप में विकसित कर जीर्णोद्धार कराया जाना।
- पूर्वांचल में नील गाय बहुतायत में फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं। अत: इनके वंश वृद्धि पर प्रभावी नियंत्रण हेतु नील गायों की नसबंदी कराया जाना।
- पूर्वांचल के मशहूर क्षेत्रीय व्यंजन फरा, गुलगुला, ठोकवा, बाटी चोखा, काला नमक चावल की खीर आदि का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार और मार्केटिंग कर इनके वैश्विक पहचान को पुनर्जीवित किया जाना।
- पूर्वांचल में पहले पैदा होने वाले मोटे अनाज जैसे सावा, कोदो, काकून आदि के औषधीय और पौष्टिक गुणों को देखते हुए इनकी खेती पर विशेष ध्यान दिया जाना।
- जनपद प्रयागराज में बंद पड़ी निप्पो बैटरी की फैक्ट्री को पुनः संचालित कराया जाना।
- जनपद देवरिया में बस अड्डे का पुनर्निर्माण।
- देवीपाटन मण्डल के आकांक्षी जनपदों यथा- बहराइच, बलरामपुर एवं श्रावस्ती में अतिकुपोषित बच्चों के लिए विशेष अभियान चलाकर उन्हें कुपोषण से मुक्त कराना।
- जनपद अमेठी के विकासखण्ड मुसाफिरखाना के पास कयाधु नदी के तट पर स्थित सतयुग के समय का पौराणिक स्थल नारद धाम का जीर्णोद्धार और सुंदरीकरण कराया जाना।
- जनपद बलरामपुर के विकासखण्ड उतरौला के ग्राम जनुका से अल्लानगर तक मार्ग का डामरीकरण/सी0सी0 रोड का निर्माण (लगभग 3 कि0मी0)।
- जनपद गोण्डा के उतरौला विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम जनुका से फत्तेपुर तक पक्की सड़क का निर्माण (लगभग 1.5 कि0मी0)।
- जनपद गोण्डा के उतरौला विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम तेतारपुर चौराहे से ग्राम बारम तक सड़क का निर्माण।
- जनपद अमेठी के मुसाफिरखाना के कोच्छित ग्राम सभा में गोमती नदी के किनारे स्थित भगवान दंडेश्वर मंदिर का जीर्णोद्धार और सुंदरीकरण।
- जनपद अमेठी के जामों विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम सभा लालपुर के ग्राम पूरे मुराइन से रिच्छौरा रजवहा नहर के पुल तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।
- जनपद अमेठी में विकासखण्ड शाहगढ़ के शाहगढ़ कस्बा चौराहे से ग्राम सभा पनियार तक सड़क का सुदृढ़ीकरण।

- जनपद अमेठी के शाहगढ़ विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम गर्थौलिया से दरपीपुर होते हुए ग्राम जंगल टिकरी तक सड़क का चौड़ीकरण और सुन्दरीकरण।
- जनपद अमेठी में सुल्तानपुर रायबरेली मार्ग पर विकासखण्ड गौरीगंज के अंतर्गत ग्राम माधवपुर से बेहटा होते हुए खजुरी तक सड़क का सुन्दरीकरण।
- जनपद अमेठी के जामों विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम सभा आदिलपुर के ग्राम कतकरपुर में वीरेंद्र प्रताप सिंह के दरवाजे से ग्राम आदिलपुर मोड़ तक सड़क का सुदृढ़ीकरण।
- जनपद अमेठी में सुल्तानपुर लखनऊ राजमार्ग पर कमरौली थाने के समीप रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज का निर्माण अथवा सड़क का चौड़ीकरण जनहित में अत्यंत आवश्यक है।
- जनपद गोण्डा के कटरा बाजार में मथुरा होते चौधरीडीह तक सड़क का नवनिर्माण और चौड़ीकरण और मथुरा घाट के पुल का पुनर्निर्माण।
- अवध और पूर्वान्चल की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, साहित्यिक, विरासत पर शोध, सेमिनार तथा अवधी और भोजपुरी में बातचीत होना चाहिए। इसके दृष्टिगत अवधी और भोजपुरी शब्दो को संकलित और संरक्षित करना आवश्यक है। इसके साथ ही डिजिटल इनोवेशन के द्वारा अवधी और भोजपुरी शब्दों को ऑनलाइन किया जाना चाहिए।
- प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अवध और भोजपुरी के पूर्वांचल के प्रसिद्ध लेखक एवं कवियों की रचनाओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए।
- मैथिली की तरह अवधी और भोजपुरी भाषा को संवैधानिक दर्जा प्राप्त होना चाहिए। इन दोनों भाषाओं को राजभाषा का अधिकार मिलने के साथ ही अवधी और भोजपुरी को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में भी शामिल किया जाना आवश्यक है।
- पूर्वांचल की अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है जिनका व्यापक रूप से संरक्षण होना चाहिए।
- पूर्वांचल के पारंपरिक लोक गीत (विरहा, फाग, कजरी) तथा लोक नृत्य को जीवंत रखने के लिए स्थानीय कलाकारों का प्रोत्साहन आवश्यक है।
- गांव की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्थानीय स्तर पर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के लिए स्वयं सहायता समूहों को और क्रियाशील किया जाना।
- डेंगू के प्रकोप पर प्रभावी नियंत्रण के लिए शहरों, कस्बों और गांवों में एंटी लार्वा स्प्रे का नियमित छिड़काव आवश्यक है।
- संक्रामक बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नगर, कस्बों और गांवों में सफाई अभियान चलाकर साफ सफाई आदि की व्यवस्था सफाई कर्मचारियों द्वारा होनी आवश्यक है।
- संचारी रोगों के प्रभावी नियंत्रण के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर दवा चिकित्सक और जांच की बेहतर सुविधा आवश्यक है।
- प्रधानमंत्री जन आरोग्य (आयुष्मान) योजना में पात्र लाभार्थी की 6 यूनिट की सीमा को कम करके 4 यूनिट किया जाना।
- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में सभी वृद्धजनो की आयु सीमा 70 वर्ष से घटाकर 60 वर्ष किया जाना व्यापक जनहित में आवश्यक है।

- जनपद अमेठी के विकासखण्ड शाहगढ़ के अन्तर्गत मौजा दादूपुर के ओझा के पुरखा से पूरे सुपरी-तिवारी तक सी0सी0 मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य (लगभग 1.5 कि0मी0)।
- जनपद अमेठी के विकासखण्ड शाहगढ़ में शाहगढ़ चंदौकी मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य (लगभग 5 कि0मी0)।
- जनपद अमेठी के गौरीगंज विकासखण्ड के अन्तर्गत महिमापुर-कौहार सम्पर्क मार्ग का सुदृढ़ीकरण कराना (लगभग 4 कि0मी0)।
- जनपद अमेठी के विकासखण्ड शाहगढ़ के अन्तर्गत शाहगढ चंदौकी मार्ग से ग्राम हरिहरपुर सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण।
- जनपद अमेठी के विकासखण्ड शाहगढ़ के अन्तर्गत नेवादा किशुनगढ़ माइनर से ग्राम बड़ा कुड़ा में दुर्गा मौर्या जी के घर तक सम्पर्क मार्ग की मरम्मत।
- महर्षि पतंजलि के जन्म स्थान गोनार्ध को विकसित किया जाना।
- गोण्डा शहर में गहरी सीवर लाइन का निर्माण जनहित में आवश्यक है।
- गोण्डा शहर में नाला / ड्रेनेज का निर्माण।
- गोण्डा शहर में जल भराव अधिक होने से खराब सड़कों की मरम्मत।
- गोण्डा जिला मुख्यालय के चारों तरफ बाईपास यथा- गोण्डा- अयोध्या, गोण्डा-लखनऊ, गोण्डा-बलरामपुर एवं गोण्डा-बहराइच का निर्माण।
- गोण्डा जिला मुख्यालय में मुख्य स्थानों/बाजारों/अस्पताल/बस स्टेशन/ कचहरी के पास स्थाई पार्किंग का निर्माण।
- गोण्डा जिला मुख्यालय पर ट्रैफिक जाम की भयावह स्थिति के दृष्टिगत बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था किया जाना।
- गोण्डा जिला मुख्यालय में सड़क के किनारे पटरी और नाली का निर्माण।
- गोण्डा जिला मुख्यालय पर बस स्टाप का पुनर्निर्माण।
- गोण्डा-लखनऊ से पैसेंजर मेमू ट्रेन को पुनः संचालित किया जाना।
- गोण्डा जिला मुख्यालय पर बिजली की समुचित व्यवस्था/ पावर कट/तार के जाल से निजात।
- गोण्डा जिला मुख्यालय में मुख्य स्थानों/बाजारों/अस्पताल/बस स्टेशन/ कचहरी में सुलभ शौचालय/ सामुदायिक शौचालय का निर्माण।
- नगर पालिका गोण्डा और करनैलगंज का सीमा विस्तार किया जाना आवश्यक है।
- गोण्डा जिला मुख्यालय में अम्बेडकर चौराहे पर बस स्टाप शेड का निर्माण।
- जनपद गोण्डा के विकास खण्ड के करनैलगंज के ग्राम कुम्हरौरा में देवतादीन के घर से रामदयाल के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य (लगभग 1 कि0मी0)।
- उ0प्र0 पर्यटन के सभी कार्यों का सम्पादन उ0प्र0 पर्यटन विकास निगम द्वारा कराया जाना।
- थारू बेल्ट के गांव अभी भी पक्के सम्पर्क मार्ग से नहीं जुड़े हैं, 18 गांवों को जोड़े जाने की आवश्यकता है।
- थारू बेल्ट में नेपाल सीमा से सटे गांव में विलेज बार्डर टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाना।

- गोण्डा-अयोध्या मार्ग 6 लेन किया जाना।
- गोण्डा-लखनऊ मार्ग 4 लेन किया जाना।
- जनपद गोण्डा में सिटी बस चलाने की व्यवस्था।
- जनपद गोण्डा में ई-रिक्शा पर प्रतिबन्ध या रूट निर्धारण।
- जनपद गोण्डा में मेडिकल कालेज में अलग से मरीज भर्ती की व्यवस्था, डाक्टर और स्टाफ की व्यवस्था होनी चाहिए क्योकि जिला अस्पताल को ही मेडिकल कालेज बना दिया गया है, जिससे समस्याएँ यथावत बनी हुई हैं।
- जनपद गोण्डा में सिविल अस्पताल की अलग से व्यवस्था ।
- जनपद गोण्डा में जिला अस्पताल / महिला अस्पताल के पास पार्किंग का निर्माण।
- मुख्य मार्गों के किनारे वृक्षारोपण का कार्य।

9- श्री जितेन्द्र नाथ पाण्डेय, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड द्वारा निम्न सुझाव दिये गये:-

- जनपद गाजीपुर के विकासखण्ड सादात में बहरियाबाद से भरतपुर होते हुए तरवां मार्ग (लम्बाई 07 कि0मी0) बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। अतः इस मार्ग की तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है।
- गाजीपुर जनपद के मरदह बाजार से विकासखण्ड मुख्यालय होते हुए गोविन्दपुर को जोड़ने वाले मार्ग (लम्बाई 2 कि0मी0) में मरदह बाजार से विकासखण्ड मुख्यालय तक का हिस्सा (दूरी मात्र 500 मीटर), अत्यधिक क्षतिग्रस्त है, जिसमें जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढ़े होने से पानी भरा रहता है तथा आये दिन दुर्घटनायें होती रहती है। अतः इसकी तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है।
- गाजीपुर जनपद के मरदह विकासखण्ड के नेशनल हाइवे से मरदह बाजार होते हुए ग्राम सभा नोनरा तक 2 कि0मी0 का मार्ग पूरा क्षतिग्रस्त है। वर्षा के दिनों में पूरे बाजार में पानी भर जाता है। पानी निकलने की कोई व्यवस्था नहीं है। अतः इस सड़क के दोनों तरफ नाली एवं हाइवे से लेकर 2 कि0मी0 तक सी0सी0 मार्ग बनाना बहुत ही आवश्यक है।
- जनपद गाजीपुर में भगवान शंकर का पौराणिक मन्दिर जो महाहर धाम के नाम से प्रसिद्ध है, का सुन्दरीकरण कर उसे पर्यटक स्थल घोषित किये जाने पर विचार किया जाना चाहिए।
- जनपद गाजीपुर में नन्दगंज बन्द चीनी मिल को अविलम्ब खोलने की व्यवस्था किया जाना।
- जनपद गाजीपुर में पशुपालकों के द्वारा बड़े पैमाने पर दुग्ध उत्पादन करने के दृष्टिगत इनके लिए सरकारी डेरी फार्म खोले जाने की आवश्यकता पर विचार करना।
- मटेहूँ सलामतपुर मार्ग (लम्बाई 10 किमी0) अत्यधिक क्षतिग्रस्त होने से इसकी अविलम्ब मरम्मत करायी जानी चाहिए।

10- श्री बौद्ध अरविन्द सिंह पटेल, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड द्वारा निम्न सुझाव दिये गये:-

- ग्राम-उमरपुर वियर, जनपद बलिया का विद्युतीकरण कराया जाना।

- जनपद बलिया की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए शुगर मिल का निर्माण कराया जाना।
- जनपद बस्ती तथा गोण्डा की सीमा पर टाउन एरिया बभनान में शुगर मिल है, जहाँ पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। अतः इसको देखते हुए रेलवे लाइन पर ओवर ब्रिज का निर्माण कराया जाना।
- टाउन एरिया हरैया, जनपद बस्ती में हो रही दुर्घटनाओं से बचाने के लिए एन0एच0-28 पर ग्राम-महुघाट से ग्राम तेनुआ तक ओवर ब्रिज का निर्माण कराया जाना।
- राजकीय महिला महाविद्यालय हरैया, जनपद बस्ती में स्नातक स्तर पर वर्ष 2007 से गृह विज्ञान एवं भूगोल विषयों की शासन से अनुमति मिलने के पश्चात् विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त है किन्तु पदों का सृजन नहीं हुआ है।
- राजकीय महिला महाविद्यालय हरैया, जनपद बस्ती में परास्नातक एम0ए0 स्तर पर वर्ष 2007 से समाज शास्त्र एवं हिन्दी विषयों में शासन से अनुमति के पश्चात् विषय की सम्बद्धता प्राप्त है किन्तु पदों का सृजन नहीं है।
- राजकीय महिला महाविद्यालय हरैया, जनपद बस्ती में परास्नातक (एम0ए0) स्तर पर शारीरिक शिक्षा, गृह विज्ञान, राजनीति शास्त्र एवं अंग्रेजी विषयों की सम्बद्धता एवं सृजन कराया जाना।
- जनपद बलरामपुर के विकासखण्ड श्रीदत्तगंज, ग्राम खरदौरी में उतरौला, बलरामपुर मार्ग से प्राइमरी स्कूल होते हुए गाँव तक पिच रोड का निर्माण कराया जाना (लगभग 1 कि0मी0)।
- जनपद बलरामपुर के विकासखण्ड बलरामपुर में एन0एच0-27 से ग्राम पीपरादीप कन्धारीपुरवा तक चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण (पुल समेत) कराया जाना (लगभग 3 कि0मी0)।
- जनपद बलरामपुर के विकासखण्ड श्रीदत्तगंज में बाईपास खाद गोदाम से ग्राम गुलवरिया, तिसाहवा, केरावगढ़ होते हुए मनयरिया तक चौड़ी एवं उच्चीकरण (पुलों सहित) कराया जाना (लगभग 4 कि0मी0)।
- उतरौला डुमरियागंज मार्ग स्थित ग्राम सभा कन्चलपुर से मस्जिदिया तक उच्चीकरण (पुल सहित) कराया जाना (लगभग 2 कि0मी0)।
- उतरौला डुमरियागंज मार्ग स्थित ग्राम मस्जिदिया प्राइमरी विद्यालय से परसोइया सीमा तक (पुल सहित) सड़क निर्माण कराया जाना (लगभग 3 कि0मी0)।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, तुलसीपुर, जनपद बलरामपुर के प्रांगण में हो रहे जल भराव के निष्कासन की व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाना।
- जनपद गोण्डा के शाहबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लगभग एक दशक से अर्धनिर्मित पड़े कार्यो को पूर्ण कराया जाना।
- पावर हाउस नरायनपुर, जनपद सुल्तानपुर की क्षमता वृद्धि कराया जाना।
- जनपद अयोध्या के विकासखण्ड मसौदा में ग्राम पलिया गोवा राजेश पाठक के घर के सामने से करौंदा अशर्फीलाल के घर तक पिच रोड का निर्माण कार्य (लगभग 1.1 कि0मी0)।

- जनपद अम्बेडकरनगर के विकासखण्ड अकबरपुर में ग्राम सन्जरपुर पट्टी सम्पर्क मार्ग स्थित राम तीरथ विश्वकर्मा के खेत से पंचायत भवन तक पिच रोड का निर्माण कार्य (लगभग 1.0 कि0मी0)।
- जनपद अयोध्या के वार्ड नं0-2 में पुरुषोत्तमनगर में रहमत हॉस्पिटल के बगल से अशोक वर्मा के घर से आर0सी0सी0 नाली सहित सड़क का निर्माण कार्य (लगभग 400 मी0)।
- जनपद श्रावस्ती के विकासखण्ड जमुनहा में अब्दुल्लागंज मार्ग पर परसोहना से परसोहनी तक सड़क निर्माण कार्य (लगभग 1.2 कि0मी0)।
- जनपद श्रावस्ती के विकासखण्ड जमुनहा में मल्हीपुर मार्ग से चमरपुरवा से बल्दीपुरवा तक सड़क का निर्माण कार्य (लगभग 1 किमी0)।
- जनपद श्रावस्ती के विकासखण्ड जमुनहा में बाबागंज मल्हीपुर मार्ग से मथुरापुरवा से दमोदरा तक सड़क निर्माण कार्य (लगभग 1.3 कि0मी0)।
- जनपद संत कबीर नगर के विकासखण्ड खलीलाबाद में ग्राम चोकहर में राजकीय नलकूप।
- जनपद गोण्डा के विकासखण्ड छपिया में ग्राम महतिनिया में राजकीय नलकूप।
- जनपद श्रावस्ती के विकासखण्ड इकौना में ग्राम लालपुर बोझी मनकापुर में राजकीय नलकूप।
- जनपद गोण्डा में मनोरमा नदी उद्गम स्थल की ग्यारह सीढ़ियों का पुनर्निर्माण।
- जनपद गोण्डा में मनोरमा नदी के समीप स्थित शनि मन्दिर का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण।
- जनपद गोण्डा में उद्दालक मुनि तपोस्थली तक मार्ग एवं मन्दिर का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण।
- जनपद गोण्डा में दुधेश्वर शिवाला का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण।
- जनपद गोण्डा में रामजानकी मन्दिर का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण।
- जनपद गोण्डा में श्री हनुमान मन्दिर का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण।
- जनपद गोण्डा में नाऊ का शिवाला का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण।
- जनपद गोण्डा में श्री बक्तू बाबा दास मन्दिर का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण।
- जनपद गोण्डा में श्री झारखण्डी / वनसत्ती मन्दिर का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण एवं सड़क निर्माण कार्य।
- जनपद गोण्डा में 35 बीघे में फैले हुए श्री साईंदाता के आश्रम का जीर्णोद्धार, सौन्दर्यीकरण एवं जंगल के चारों तरफ रोड व बैरीकेटिंग कार्य।
- जनपद गोण्डा में काली माता मन्दिर का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण।
- जनपद गोण्डा में मनोरमा नदी उद्गम स्थल से सभी मन्दिरों तक पक्की रोड।
- जनपद गोण्डा में मनोरमा नदी उद्गम स्थल के समीप कार्तिक मेले तथा प्रतिदिन श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सार्वजनिक शौचालय, विश्राम गृह तथा वस्त्र बदलने के स्थान का निर्माण।
- जनपद गोण्डा में मनोरमा नदी उद्गम स्थल के चारों तरफ हाई मास्ट लाइट का इन्स्टालेशन।
- जनपद गोण्डा में मनोरमा नदी उद्गम स्थल में जीवन रक्षा प्रणाली से युक्त बोट/नाव।

- जनपद गोण्डा में मनोरमा नदी उद्गम स्थल के चारों तरफ आर0सी0सी0 रोड/ इण्टरलाकिंग एवं विश्राम के लिए कुर्सियों का निर्माण।
- जनपद गोण्डा में मनोरमा नदी उद्गम स्थल के समीप पम्प हाउस का निर्माण।
- जनपद गोण्डा में मनोरमा नदी उद्गम स्थल के बीचोबीच फव्वारे का निर्माण।
- जनपद गोण्डा में मनोरमा नदी उद्गम स्थल के समीप गौ घाट का निर्माण।
- जनपद गोण्डा में मनोरमा नदी उद्गम स्थल के चारों तरफ पिच रोड एवं पार्क निर्माण कार्य।
- जनपद गोण्डा में मनोरमा नदी उद्गम स्थल के चारों तरफ लाईट व्यवस्था।
- जनपद गोण्डा में मनोरमा नदी उद्गम स्थल से तारी तालाब होते हुए मनवर नदी तक जल निकासी की व्यवस्था।
- जनपद गोण्डा में मन्दिर स्थल, मेला एवं मनोरमा नदी के आसपास जनसुरक्षा हेतु सी0सी0टी0वी0 कैमरे की व्यवस्था।
- जिला पंचायत छपिया चतुर्थ, जनपद गोण्डा में हरिजन आबादी से चन्द्रवली सिंह के घर तक आर0सी0सी0 सड़क निर्माण कार्य (लगभग 250 मी0)।
- जिला पंचायत छपिया चतुर्थ, जनपद गोण्डा में नेबू लाल के घर से प्रा0वि0 सिकरी टप्पा कोट तक आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 220 मी0)।
- जिला पंचायत छपिया चतुर्थ, जनपद गोण्डा में बेचू के मशीन से महेन्द्र सिंह के घर तक आर0सी0सी0 सड़क निर्माण (लगभग 250 मी0)।
- जिला पंचायत छपिया चतुर्थ, जनपद गोण्डा में पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोटखास से खेल मैदान तक इण्टरलाकिंग कार्य (लगभग 150 मी0)।
- जिला पंचायत छपिया चतुर्थ, जनपद गोण्डा में अति आवश्यक स्थानों पर 25 स्ट्रीट लाइट की स्थापना कार्य।
- ग्राम सभा राजापुर, विकासखण्ड मुजेहना, जनपद गोण्डा में राजापुर प्राइमरी स्कूल से कुतुबगंज मार्ग तक सड़क का चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण (लगभग 4 कि0मी0)।
- गुमान पुरवा, राजापुर, विकासखण्ड मुजेहना, जनपद गोण्डा में 10 के0वी0ए0 के ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाकर 25 के0वी0ए0 किया जाना।
- जनपद गोण्डा के विकासखण्ड मुजेहना में राजापुर गोदहना में समय माता मन्दिर में चार स्ट्रीट लाइट लगवाया जाना।
- ग्राम पंचायत राजापुर, विकासखण्ड मुजेहना, जनपद गोण्डा के गुमान पुरवा गांव में स्ट्रीट लाइट लगवाया जाना।
- ग्राम सभा दलपतपुर, विकासखण्ड मनकापुर, जनपद गोण्डा में डुमरियाडीह रोड से चमडाई नाला होते हुए पश्चिमपुरवा तक पुलिया व सड़क निर्माण कार्य (लगभग 01 कि0मी0)।
- ग्राम सभा दलपतपुर, विकासखण्ड मनकापुर, जनपद गोण्डा में राजेन्द्र तिवारी के चक से लोहार कुआं होते हुए खोदी मोड़ तक पक्की सड़क का निर्माण (लगभग 1.5 कि0मी0)।

- ग्राम पंचायत रुकमंगदपुर, विकासखण्ड रुपईडीह, जनपद गोण्डा में चौराहा से भवानी पुरवा होते हुए मौजा बेलहा तक सड़क का उच्चीकरण एवं चौड़ीकरण।
- विकासखण्ड बलरामपुर, जनपद बलरामपुर की ग्राम पंचायत दुल्हापुर बल्लीपुर में होली के घर से गुड्डू यादव के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य (लगभग 600 मी0)।
- विकासखण्ड बलरामपुर, जनपद बलरामपुर की ग्राम पंचायत गैन्जहवा पी0डब्लू0डी0 रोड से गुजर्जीगंज गाँव तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य (लगभग 650 मी0)।
- विकासखण्ड बलरामपुर, जनपद बलरामपुर की ग्राम पंचायत नारायणपुर मजहरी में राम सुमेर के खेत के पूरब राम कुबेर पाण्डेय के खेत के बीच में पुलिया का निर्माण कार्य।
- विकासखण्ड बलरामपुर, जनपद बलरामपुर की ग्राम पंचायत नन्दनगर ठटीया में नंदनगर खजुरिया मुख्य मार्ग से मल्लिहपुर (कुमिडीह) चेतराम के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण का कार्य (लगभग 300 मी0)।
- विकासखण्ड बलरामपुर, जनपद बलरामपुर की ग्राम पंचायत सिंधवापुर के मजरे नेउरी में पी0डब्लू0डी0 रोड से श्मशानघाट तक सी0सी0 रोड निर्माण का कार्य (लगभग 300 मी0)।
- विकासखण्ड बलरामपुर, जनपद बलरामपुर की ग्राम पंचायत सोनपुर खजुरिया मुख्य मार्ग से जम्बूदीप शिव मन्दिर तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य (लगभग 300 मी0)।
- विकासखण्ड हरैया, जनपद बलरामपुर में गौरिया नाले के सिल्ट की सफाई का कार्य।
- विकासखण्ड तुलसीपुर, जनपद बलरामपुर की ग्राम पंचायत ओड़ाझार में हरैया तुलसीपुर मुख्य मार्ग से ओड़ाझार गाँव के संपर्क मार्ग के सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य (लगभग 600 मी0)।
- विकासखण्ड तुलसीपुर, जनपद बलरामपुर की ग्राम पंचायत कठकुइंया में धरमराज के खेत से बदुलू के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य (लगभग 500 मी0)।
- विकासखण्ड गैसड़ी, जनपद बलरामपुर की ग्राम पंचायत पिपरा तहसील पंचायत भवन के बगल से नहर के पुल तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य (लगभग 700 मी0)।
- विकासखण्ड पचपेड़वा, जनपद बलरामपुर की ग्राम पंचायत गणेशपुर मोड़ से मधवा नगर राजेश ट्रेडर्स तक पिच रोड का निर्माण (लगभग 1 कि0मी0)।
- विकासखण्ड बलरामपुर, जनपद बलरामपुर की ग्राम पंचायत खजुरिया के मजरे भायादीह के पूरब में पर्सा खजुरिया रोड तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य (लगभग 600 मी0)।
- जनपद चन्दौली में इलिया, साहबगंज, चन्दौली वाया वाराणसी तक तथा इलिया साहबगंज, चकिया वाया रावर्ट्सगंज तक रोडवेज बस चलवाने की आवश्यकता है।
- जनपद गोण्डा के विकासखण्ड छपिया में बभनान से घारीघाट मार्ग से ग्राम बुकनापुर स्वदेश मिश्रा के घर तक आर0सी0सी0 का निर्माण कार्य (लगभग 650 मी0)।
- जनपद बहराइच, विकासखण्ड कैसरगंज के ग्राम कोहली में बांध से कसवट के घर होते हुए विश्वनाथ व गोमती के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य (लगभग 230 मी0)।
- जनपद बहराइच विकासखण्ड कैसरगंज, ग्राम कोहली में प्रधान के घर से मंगरे के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य (लगभग 100 मी0)।

- जनपद बहराइच, विकासखण्ड कैसरगंज ग्राम कोहली बांध से मगन पुरवा के रास्ते पर पुल तथा आर0सी0सी0 का निर्माण कार्य (लगभग 500 मी0)।
- जनपद बहराइच, विकासखण्ड कैसरगंज के ग्राम कन्दौली में बांध से कृपाराम के घर तक सी0सी0 का निर्माण कार्य (लगभग 300 मी0)।
- जनपद गोण्डा, विकासखण्ड छपिया के चटकनवा तिराहा से होते हुए परशुराम के घर से विनय वर्मा के घर तक प्रधानमंत्री सड़क तक निर्माण कार्य (लगभग 2 कि0मी0)।
- जनपद गोण्डा, विकासखण्ड छपिया, ग्राम कोइरीपुर में वंशराज भगत के घर से राकेश के घर होते हुए प्राथमिक विद्यालय कालागंज ग्रांट तक निर्माण कार्य (लगभग 500 मी0)।
- जनपद बलरामपुर की ग्राम पंचायत रोंवाटी के मजरा चील्ही खुर्द में जलभराव की समस्या को दूर करने हेतु सी0सी0 रोड और साइड से चौड़े नाले का निर्माण।
- जनपद बलरामपुर के विकासखण्ड हरैया सतघरवा की ग्राम पंचायत रामनगर में ददरहवा जोगी के घर से रसईपुरवा तक पक्की सड़क का निर्माण (लगभग 2 कि0मी0)।
- जनपद बलरामपुर के विकासखण्ड हरैया सतघरवा की ग्राम पंचायत टेढ़वा होते हुए जानकी जोत तक सड़क का निर्माण (लगभग 1.5 कि0मी0)।
- जनपद बलरामपुर के विकासखण्ड हरैया सतघरवा की ग्राम पंचायत शुगानगर में शीतलपुरवा से लहेरी तक सड़क का निर्माण (लगभग 1 कि0मी0)।
- जनपद बलरामपुर के विकासखण्ड हरैया सतघरवा की ग्राम पंचायत मिर्जापुर में बेलहर गौरा मार्ग से रसूलाबाद मिर्जापुर गाँव को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण (लगभग 2 कि0मी0)।
- जनपद बलरामपुर के विकासखण्ड हरैया सतघरवा की ग्राम पंचायत भगवानपुर वेलहा में गौरा मार्ग से मुरावडीह तक सड़क का निर्माण (लगभग 1 कि0मी0)।

11- श्री परदेशी रविदास, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड द्वारा निम्न सुझाव दिये गये:-

- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर की ग्राम पंचायत बभनौली में मदन पाण्डेय के घर से नन्दू के खेत तक आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 300 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर की ग्राम पंचायत बभनौली में बैजनाथ वर्मा के खेत से सन्तोष वर्मा के खेत तक आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 150 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर की ग्राम पंचायत बभनौली नगर पुल से पूर्णवासी के घर तक आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 200 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर की ग्राम पंचायत बभनौली में राजेन्द्र वर्मा के खेत के सामने नहर पर 3x1 मीटर पुलिया का निर्माण कार्य।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर की ग्राम पंचायत बभनौली में बभनौली से विशुनपुरा मेन रोड तक नहर की पूरब पटरी के पिचरोड का निर्माण कार्य।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड पनियरा की ग्राम पंचायत पिपरिया टोला पोखरभिण्डा में मेन रोड से सज्जाद खॉन का घर होते हुए प्राथमिक विद्यालय पिपरिया टोला-पोखरभिण्डा तक पिच रोड की मरम्मत (लगभग 500 मीटर)।

- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर की ग्राम पंचायत मुड़िला बाजार में राकेश मद्धेशिया के जमीन से शकील बाबू के मकान तक पक्की नाली का निर्माण कार्य (लगभग 500 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की विकासखण्ड सदर की ग्राम पंचायत मुड़िला बाजार में प्रमोद मद्धेशिया के घर से अशोक कन्नौजिया के घर तक आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 250 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत बृजमनगंज वार्ड नं0-4 स्वामी विवेकानन्द नगर मलिन बस्ती में श्री कैलाश भारती के घर से श्री गुलाब चन्द्र भारती के घर तक आर0सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य (लगभग 100 मीटर) ।
- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत बृजमनगंज वार्ड नं0-4 स्वामी विवेकानन्द नगर मलिन बस्ती में श्री राधेश्याम के घर से श्री चौथी के घर तक आर0सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य (लगभग 100 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत बृजमनगंज वार्ड नं0-4 स्वामी विवेकानन्द नगर मलिन बस्ती में श्री हजारी के घर से श्री चौथी के घर तक आर0सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य (लगभग 250 मीटर) ।
- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत बृजमनगंज वार्ड नं0-4 स्वामी विवेकानन्द नगर मलिन बस्ती में श्री पारस के घर से श्री सत्यनरायन के घर तक आर0सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य (लगभग 100 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत बृजमनगंज वार्ड नं0-4 स्वामी विवेकानन्द नगर मलिन बस्ती में श्री जोगिन्दर के घर से श्री जितेन्द्र के घर तक आर0सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य लगभग 100 मीटर।
- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत बृजमनगंज वार्ड नं0-4 स्वामी विवेकानन्द नगर मलिन बस्ती के श्री हरिकेश के घर से मेन रोड तक आर0सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य (लगभग 450 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पालिका परिषद महराजगंज के वार्ड नं0 02 बैकुन्ठपुर में श्री दिवाकर जी के मकान से श्री चन्द्रमोहन पाण्डेय जी के मकान तक नाली एवं आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 200 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पालिका परिषद महराजगंज के वार्ड नं0 02 बैकुन्ठपुर में श्री सतीश चन्द्र श्रीवास्तव जी के मकान से श्री नवीन के मकान तक नाली एवं आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 100 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पालिका परिषद महराजगंज के वार्ड नं0 02 बैकुन्ठपुर में एन0एच0 730 से श्री राजेन्द्र सिंह के घर होते हुए इण्टरलाकिंग रोड तक नाली एवं आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 300 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पालिका परिषद महराजगंज के वार्ड नं0 02 बैकुन्ठपुर में डॉ0 बंगाली के घर होते हुए निगम ड्राईवर के घर तक नाली एवं आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 300 मीटर)।

- जनपद महराजगंज की नगर पालिका परिषद महराजगंज के वार्ड नं0 02 बैकुन्ठपुर में श्री अनिरूद्ध एवं सिटी मान्टेसरी स्कूल से श्री रामलौटन के घर होते हुए श्री रमाशंकर के घर तक नाली एवं आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 300 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पालिका परिषद महराजगंज के वार्ड नं0 02 बैकुन्ठपुर में श्री सतीश श्रीवास्तव के मकान से श्री नवीन सिंह के मकान तक नाली एवं आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 100 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पालिका परिषद महराजगंज के वार्ड नं0 02 बैकुन्ठपुर में श्री संजय राय के मकान से श्री दिवाकर चौधरी के मकान तक नाली एवं आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 200 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पालिका परिषद महराजगंज के वार्ड नं0 02 बैकुन्ठपुर में श्री शर्मा जी के मकान होते हुए श्री संजीव शुक्ला के घर तक नाली एवं आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 350 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत बृजमनगंज वार्ड नं0-4 स्वामी विवेकानन्द नगर मलिन बस्ती में श्री विक्रम भारती के घर से मेन रोड तक आर0सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य (लगभग 200 मीटर) ।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर में ग्रामसभा मुड़िला सैननिशा के घर से नरेन्द्र पटेल के खेत तक आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 300 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर में ग्राम सभा सिसवनियां में डा0 हरिप्रकाश शर्मा के घर से सुभाष वर्मा के घर तक आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 350 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर की ग्राम सभा सिसवनिया में सोनरा चौराहा पर नहर से लेकर पिच सड़क के किनारे से डा0 अजय-विजय गुप्ता के घर के आगे तक नाला निर्माण कार्य (लगभग 350 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत बृजमनगंज वार्ड नं0 02 वाल्मिकी नगर मलिन बस्ती में श्री रामचन्दर हरिजन के घर से श्री रामनवल भारती के घर तक नाली एवं आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 200 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत बृजमनगंज वार्ड नं0 02 वाल्मिकी नगर मलिन बस्ती में श्री स्व0 जगरनाथ भारती के घर से श्रीधर भारती के घर तक नाली एवं आर0सी0सी0 नवनिर्माण कार्य (लगभग 200 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत बृजमनगंज वार्ड नं0 02 वाल्मिकी नगर मलिन बस्ती में श्री सुरेमन मुंशी जी के घर से श्री लाली जी के घर तक नाली एवं आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 150 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत बृजमनगंज मलिन बस्ती में श्री पंचराम भारती जी के घर से काली मन्दिर तक नाली एवं आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 120 मीटर)।

- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत बृजमनगंज वार्ड नं0 04 स्वामी विवेकानन्द नगर, मलिन बस्ती में श्री राम प्रसाद भारती जी के घर से रेलवे लाइन तक नाली एवं आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 300 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पालिका परिषद महराजगंज वार्ड नं0 02 बैकुन्ठपुर में श्री रामचन्द्र रौनियार जी के मकान से श्री अयोध्या कसौधन के मकान तक नव निर्माण कार्य (लगभग 200 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पालिका परिषद के वार्ड नं0 02 बैकुन्ठपुर में तारकेश्वर गुप्ता जी के मकान से श्री धनन्जय गुप्ता जी के मकान तक नव निर्माण कार्य (लगभग 100 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में गोरखपाल के घर से गुप्तार यादव के घर तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 100 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में आरती देवी के घर से मेन रोड तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 70 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में बलवन्त गुप्ता के घर से नागेन्द्र गुप्ता के खेत तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 250 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकास खण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में मेन रोड से पट्टू कुशवाहा के घर तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 120 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में रामध्यान कुशवाहा के घर से प्राथमिक विद्यालय के पास मेन रोड तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 130 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में रामनयन कुशवाहा के घर से चुकालू हरिजन के घर तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 130 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में नक्षत्र कुशवाहा के घर से छोटेलाल गुप्ता के घर तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 200 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में बाबूलाल हरिजन के घर व मझौवां वार्डर से नयी होलिका स्थान तथा दुहारी गुप्ता के खेत तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 350 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में श्मशान घाट व सिवरही भार मार्ग पर मुन्द्रिका हरिजन व राधे हरिजन के खेत के बीच बाँध का निर्माण कार्य (15x10 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में रानीपुर व अहिरौली मार्ग पर तारा यादव के घर से अहिरौली पंचायत भवन तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 100 मीटर)।

- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड पनियरा की ग्राम पंचायत कमासिन खुर्द में पी0डब्लू0डी0 सड़क सोहास सम्पर्क मार्ग रविन्द्र यादव के घर से पूरब नहर खुटहा पनियरा सम्पर्क मार्ग तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य (लगभग 750 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां के ग्राम सभा रानीपुर में श्री सत्यनरायण कुशवाहा के घर से दिनेश कुशवाहा के घर तक तथा मझौवा वार्डर सड़क तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 100 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में श्री मंगल कुशवाहा के घर से मेन रोड तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 110 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में श्रीकान्त कुशवाहा के घर से मेन रोड तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में मेन रोड के पास मन्नू यादव के घर से महेन्द्र चौहान के घर तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 90 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में भोला शर्मा के घर से गुड्डू चौहान के घर तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 120 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में स्व0 श्री मुन्नर प्रधान के घर से रामजी विश्वकर्मा के घर के सामने तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 120 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में श्री रामाज्ञा कुशवाहा के घर से मेन रोड तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 50 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में संजय प्रसाद के घर से श्री निकस की मशीन तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 130 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सिसवां की ग्राम सभा रानीपुर में जवाहिर कुशवाहा के दुकान से सुमेर कुशवाहा के दुकान तक आर0सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 25 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर की ग्राम पंचायत कान्हा में दशरथ के घर से श्यामलाल के घर तक आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 600 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर की ग्राम पंचायत कान्हा में रामनगर चौराहा से उत्तर खुअटियां गड़ही तक आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 400 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर की ग्राम पंचायत केवलापुर में मेन रोड से ग्राम पंचायत विजयपुर के पोखरहवां टोला तक पक्की सड़क निर्माण कार्य (लगभग 1 कि0मी0)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर की ग्राम पंचायत केवलापुर में कोटेदार के घर से अहिरोली टोला तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य (लगभग 700 मीटर)।

- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड सदर की ग्राम पंचायत बेलवा काजी में मेन रोड सें चाफीटोला तक पक्की सड़क निर्माण कार्य (लगभग 700 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड मिठौरा की ग्राम पंचायत पड़री खुर्द एवं सोहगौरा सीवान में विश्वकर्मा प्रसाद शर्मा के खेत से नागेन्द्र प्रजापति के ईट भट्ठा तक आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 200 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड मिठौरा की ग्राम पंचायत मुण्डेरा कला में चौधरी टोले के पी0डब्लू0डी0 सम्पर्क मार्ग से पनेवा पनेई पिच मार्ग तक पिच निर्माण कार्य (लगभग 3 कि0मी0)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड मिठौरा की ग्राम पंचायत मुण्डेरा कला के पी0डब्लू0डी0 सम्पर्क मार्ग से राजकुमार पासवान के घर तक आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 300 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड मिठौरा की ग्राम पंचायत रामपुरमीर पिच मार्ग से महराजगंज ठूठीबारी मार्ग से रामपुरमीर बिचला टोले तक आर0सी0सी0 निर्माण कार्य (लगभग 800 मीटर)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड मिठौरा की ग्राम पंचायत रामपुरमीर पिच मार्ग के बगल बलिया नाला में श्री अर्जुन के खेत के पास से बाढ़ नियन्त्रण हेतु जल निकासी के लिए पुल निर्माण कार्य।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड मिठौरा की ग्राम सभा मुजहना बुजुर्ग नैपकड़ियार नहर पुल से मुजहना बुजुर्ग तक नहर की पूरब पटरी का पिच निर्माण कार्य (लगभग 2.5 कि0मी0)।
- जनपद महराजगंज के विकासखण्ड मिठौरा की ग्राम सभा मुजहना बुजुर्ग टोला सिसविनियां में सिसवनियां से मोतीपुर तक पिच निर्माण कार्य (लगभग 2.5 कि0मी0)।
- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत निचलौल के वार्ड न0-3 में मेन मार्केट श्रीनिवास वर्मा के दुकान से हरिजन बस्ती को जाने वाली सड़क कृष्णा बाबा के घर तक इन्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 300 मीटर)।
- जनपद महराजगंज की नगर पंचायत निचलौल के वार्ड न0-7 में काली मन्दिर से अंगिरा शिशुज्ञान मन्दिर होते हुए संजय शर्मा की दुकान तक इन्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 250 मीटर)।
- नगर पालिका महराजगंज की वार्ड न0-3 में दिनेश गुप्ता की दुकान से ओम प्रकाश वर्मा के दुकान होते हुए रामनरेश केडिया के घर के सामने तक इंटरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य (लगभग 250 मीटर)।
- नगर पालिका परिषद, महराजगंज के मोहल्ला गांधी नगर वार्ड नम्बर-16 में श्रीमती किरन देवी के मकान से डा0 ठाकुर प्रसाद वर्मा की जमीन तक इण्टरलाकिंग कराना (लगभग 500 मी0)।

12- श्री विजय शंकर यादव, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड द्वारा निम्न सुझाव दिये गये:-

- जनपद संत कबीर नगर में स्थित लगभग 29 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई बखिरा झील एक विशाल झील है। इसे उत्तर प्रदेश का मिनी डल झील भी कहा जाता है। यह झील पंक्षी अभ्यारण्य है, जहाँ बहुत अधिक संख्या में पंक्षी निवास करते हैं, विशेषकर शीतकाल में तिब्बत, साइबेरिया, यूरोप आदि क्षेत्रों से पंक्षी आते हैं। इस झील में सारस अधिक मात्रा में निवास करते हैं। इस भूमि को भारत सरकार द्वारा रामसर साईट घोषित किया गया है। इसके विकास से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन एवं रोजगार की अपार संभावनायें हैं। अत: बखिरा झील को सारस संरक्षण केन्द्र एवं पर्यटन के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है।
- जनपद गोरखपुर स्थित बढ़या-रिगौली राप्ती बांध से सटे कतिपय गांवों के पास हो रहे राप्ती नदी के कटान को रोकने हेतु जनहित में निम्न कार्यों को कराया जाना अति आवश्यक है:-
  - ✓ ग्राम पंचायत हिरूआ के लक्ष्मीपुर एवं हिरूआ खास गांव के सामने हो रहे राप्ती नदी के कटान से बचाने हेतु ठोकर/पिच का निर्माण कार्य।
  - ✓ ग्राम पंचायत बढ़या-टेढ़ावीर बंधे से ग्राम बान, नेवास, जगदीशपुर नेतवर होते हुए भरवलिया बंधे तक पिच का निर्माण (लगभग 11 कि0मी0)।
  - ✓ ग्राम पंचायत रामनगर केवटलिया एवं नेतवर के सामने तेजी से हो रहे कटान को रोकने हेतु ठोकर/पिच का निर्माण कार्य।
- जनपद गोरखपुर के विकासखण्ड भरोहिया के अन्तर्गत ग्राम सभा राखूखोर में राखूखोर-नुरूद्दीनचक सम्पर्क मार्ग से गिरिजेश मिश्रा के घर तक पिच रोड निर्माण कार्य (लगभग 1.0 कि0मी0)।
- जनपद गोरखपुर के विकासखण्ड कैम्पियरगंज के ग्राम सभा बन्दोह में कृष्ण मुरारी पाण्डेय के घर से प्राथमिक विद्यालय होते हुए अशोक साहनी के घर तक पिच रोड / सी0सी0 रोड निर्माण कार्य (लगभग 1.0 कि0मी0)।
- जनपद सन्त कबीर नगर के विकासखण्ड मेंहदावल के अन्तर्गत ग्राम सभा भरवलिया चौबे पोखरा से बेला कला गाँव तक पिचरोड/सी0सी0 रोड निर्माण कार्य (लगभग 2 कि0मी0)।
- नगर पंचायत पीपीगंज के वार्ड नं0-6 बापू इण्टर कालेज के पीछे बारिश के दिनों में जलभराव हो जाता है जिससे आवागमन बाधित हो जाता है। जल निकासी के लिए बापू इण्टर कालेज के पीछे बने आर0सी0सी0 रोड से प्रमोद गोयल के प्लाट होते हुए एक नया नाला बनाकर पीपीगंज पुरानी रेलवे क्रासिंग होते हुए गोड़वारी पुल तक बन रहे नाले में मिला दिया जाय तो जलभराव की समस्या दूर हो जायेगी।
- जनपद गोरखपुर के विकासखण्ड भरोहिया के ग्राम हिरूआ मुख्य मार्ग पर स्थित जीर्ण-शीर्ण पुलिया का निर्माण कराया जाना (लगभग 10 मी0)।
- जनपद गोरखपुर के विकासखण्ड भरोहिया में सिंचाई विभाग मेन बंधे से राजस्व ग्राम लक्ष्मीपुर गांव तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराया जाना (लगभग 01 कि0मी0)।

- जनपद गोरखपुर के विकासखण्ड भरोहिया में बढ़या-रिगौली (टेढ़ावीर) बंधे से बान गांव तक पिच रोड निर्माण कराया जाना (लगभग 05 कि0मी0)।
- जनपद गोरखपुर के विकासखण्ड भरोहिया में पड़रहवा से मझौना होते हुए हिरूआ गांव तक की सड़क का चौड़ीकरण कराया जाना (लम्बाई लगभग 2.50 कि0मी0 तथा चौड़ाई 7 मीटर)।

13- श्री जय प्रकाश निषाद, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड द्वारा निम्न सुझाव दिये गये:-

- पूर्वान्चल क्षेत्र के नागरिक उद्योग लगाने हेतु दूसरे राज्य में जाते हैं। अत: पूर्वान्चल क्षेत्र के स्थानीय नागरिकों को पूर्वान्चल में ही उद्योगों को लगाने हेतु पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।
- पूर्वान्चल क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित जनपदों के विकास के लिए समुचित योजना बनाया जाना।
- पूर्वान्चल क्षेत्र के भेड़ पालकों द्वारा पाली जाने वाली भेड़ों से निम्न किस्म की ऊन प्राप्त होती है जिससे ऊन की कीमत कम मिलती है। मलेशिया तथा आस्ट्रेलिया में भेड़ों की नस्ल अच्छी होने से वहाँ के भेड़ पालकों को अच्छी किस्म की ऊन प्राप्त होती है जिससे उन्हें अच्छी कीमत मिलती है। अत: पूर्वान्चल क्षेत्र के भेड़ पालकों को अच्छी किस्म की भेड़ की नस्लों के पालने हेतु प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए।
- वनटांगिया को राजस्व गाँव का दर्जा दिये जाने पर विचार किया जाना।
- वनटांगिया की आय को बढ़ाने हेतु उन्हें कौशल विकास से जोड़े जाने पर विचार करना।
- पूर्वान्चल के सभी जिलों को फोर लेन से जोड़ा जाना।
- गोण्डा-लखनऊ मार्ग पर स्थित दोनों रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज बनाया जाना।
- विद्यालयों में टेबलेट वितरण के साथ ही उसके सही उपयोग किये जाने के संबंध में लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाना।
- बाढ़ के समय एक विशेष समुदाय द्वारा गोताखोर का कार्य किया जाता है किन्तु उन्हें अभी तक कोई सम्मान नहीं दिया गया है। अतः समुदाय विशेष के गोताखोरों को सम्मान मिलना चाहिए। इसी के साथ गोताखोरों के लिए एक एकेडमी भी बनाने पर विचार किया जाना चाहिए।
- मत्स्य पालन से संबंधित तालाबों के मृदा परीक्षण कराने पर विचार करना ।
- मत्स्य पालकों को प्रशिक्षण दिया जाना।

14- डा0 के0पी0 श्रीवास्तव, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड द्वारा गोण्डा, बहराइच, श्रावस्ती एवं बलरामपुर में पर्यटन से संबंधित किये गये कार्यों की सराहना करते हुए निम्न सुझाव दिये गये:-

- पूर्वान्चल क्षेत्र में भेड़ पालन काफी किसान करते हैं परन्तु उन्हें भेड़ों से मिलने वाले ऊन का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है। आस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैण्ड की भेड़ों से प्राप्त होने वाले ऊन की अच्छी कीमत मिलती है। अत: भेड़ पालन करने वाले किसानों को अच्छी नस्ल की भेड़ों को पालने हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- पर्यटन के क्षेत्र में देवीपाटन मण्डल को और अधिक बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

- वर्ष 2025 में प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुम्भ में आने वाले पर्यटकों की अयोध्या तथा श्रावस्ती में आने की अधिक संभावना है अत: इसके दृष्टिगत जनपद श्रावस्ती का पर्यटन के क्षेत्र में और अधिक विकास किया जाना चाहिए।
- ग्राम पंचायत बनकट, विकासखण्ड धनूपुर, हण्डिया, जनपद प्रयागराज में धोबहां रोड पर स्थित गुरुकुल पब्लिक स्कूल की बाउण्ड्री में आने-जाने के लिये इण्टरलाकिंग/सी0सी0 रोड का निर्माण कराना (लगभग 100 मी0)।
- ग्राम गड़रियाडीह, परगना जगदीशपुर, तहसील मुसाफिरखाना, जनपद अमेठी में ऐतिहासिक श्री राम जानकी मन्दिर के जीर्णोद्धार हेतु समुचित धनराशि आवंटित करने पर विचार करना।
- चौरवा बाबा जन कल्याण सेवा ट्रस्ट, ग्राम पूरे कोदई, मजरे टिकरी, पोस्ट टिकरी, विकासखण्ड भेंटुआ, जनपद अमेठी के अन्तर्गत उक्त देवस्थान तक पूरे कोदई से मुख्य सड़क मार्ग से लगभग 1.5 कि0मी0 पश्चिम तरफ वर्तमान चकरोड खड़ंजा पर उतनी ही चौड़ी डामर रोड बनाये जाना।
- जनपद प्रयागराज, विकासखण्ड करछना, पोस्ट वीरपुर, ग्राम मंदौली के मुख्य मार्ग से श्री राम कैलाश के घर तक सड़क का निर्माण कराया जाना (लगभग 1.5 कि0मी0)।
- जनपद अमेठी में नौगिरवा से शिवगढ़ जलापुर होते हुए घटमापुर लिंकमार्ग की मरम्मत का कार्य स्थानीय जनता द्वारा संतोषजनक प्रतीत न किये जाने के परिप्रेक्ष्य में इसका परीक्षण कराने पर विचार करना।

15-जिलाधिकारी, गोण्डा द्वारा जनपद गोण्डा की दो तहसील करनैलगंज तथा तरबगंज में बाढ़ की समस्या के विषय में अवगत कराते हुए इस सम्बन्ध में किये गये उपायों यथा- बाढ़ शरणालय एवं बाढ़ चौकियों की स्थापना, बाढ़ सामग्री का वितरण तथा प्रभावित आबादी में निरन्तर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किये गये शासकीय भ्रमण के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। इसके साथ ही जनपद गोण्डा में गौ संरक्षण के लिए कार्ययोजना तथा संरक्षित किये गये गौवंशों की स्थिति भी बतायी गयी।

16-बोर्ड द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों यथा-आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी आदि के शिक्षाविदों के सहयोग से मत्स्य पालन, पशुपालन एवं दुग्ध, गोदामों की उपलब्धता तथा कृषि में नवीन तकनीकों हेतु कृषकों को प्रोत्साहित करने के संबंध में तैयार कराये जा रहे सुझावों के क्रम में बैठक में उपस्थित शिक्षाविदों द्वारा दिये गये सुझाव निम्नवत हैं:-

- **<u>मत्स्य पालन</u>**

डा0 श्रीश कुमार सिंह, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, शस्य विज्ञान विभाग, तिलकधारी महाविद्यालय, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा पूर्वान्चल क्षेत्र में मत्स्य पालन की सम्भावनाओं के पूर्णरूपेण उपयोग हेतु निम्नलिखित सुझाव दिये गयेः-

- ✓ पूर्वान्चल क्षेत्र में जल संसाधनों यथा- नदियों, तालाबों एवं जलाशयों का निर्माण एवं रख-रखाव कराना।
- ✓ मत्स्य पालन के लिए उपयुक्त स्थानों यथा- तालाब, झीलें एवं नदियों की पहचान करना।
- ✓ मत्स्य पालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचों यथा- मछली फार्म, हैचरी, फीड मिल आदि का निर्माण कराना।
- ✓ कृषि-जलवायु आधारित प्रणाली के अन्तर्गत पैडी-फिश प्रणाली, बागवानी-फिश प्रणाली, कुकुरमुत्ता-फिश प्रणाली, रेशम-फिश प्रणाली, केंचुआ-फिश प्रणाली तथा जलज वनस्पति-फिश प्रणाली का उपयोग कर मत्स्य उत्पादन में वृद्धि कराना।
- ✓ पशुपालन-फिश आधारित प्रणाली के अन्तर्गत गाय-फिश प्रणाली, सुअर-फिश प्रणाली, बकरी-फिश प्रणाली, खरगोश-फिश प्रणाली, पोल्ट्री-फिश प्रणाली तथा बत्तख-फिश प्रणाली का उपयोग कर मत्स्य उत्पादन में वृद्धि कराना।
- ✓ मत्स्य पालन की तकनीक, देखभाल तथा विपणन के लिए प्रशिक्षण कराना।
- ✓ मत्स्य पालन के लिए विभिन्न विषयों यथा-लाइसेंस, मानक, पर्यावरण संरक्षण पर नीति/कानून बनाने पर विचार करना।

- **<u>पशुपालन तथा दुग्ध</u>**

(i) डा0 राजेश कुमार पाल, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पशुपालन विभाग, तिलकधारी महाविद्यालय, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा पूर्वान्चल क्षेत्र में पशुपालन तथा दुग्ध से कृषकों की आय में वृद्धि हेतु निम्नलिखित सुझाव दिये गये:-

- ✓ पशुपालन से कृषि कार्य हेतु कार्बनिक खाद एवं अन्य विभिन्न उत्पादों यथा- दूध, मांस, चमड़ा, हड्डी आदि की उपलब्धता होती है जिससे मृदा का स्वास्थ्य अच्छा होने तथा वायु प्रदूषण कम होने विषयक लाभ मिलते हैं। उल्लेखनीय है कि कृषि उत्पाद के सहउत्पाद यथा- भूसा, पुआल, चोकर, चूनी आदि का उपयोग भी पशुओं द्वारा किया जाता है। अतः पूर्वान्चल क्षेत्र में कृषि जोतें छोटी होने के कारण पशुपालन यथा- डेरी फार्म, मुर्गी फार्म, सुअर एवं बकरी फार्म, बत्तख पालन, बटेर पालन, टर्की पालन आदि से कृषकों को आय निरन्तर प्राप्त हो सकती है।
- ✓ पशुओं के गोबर के उपयोग से गोबर गैस प्लाण्ट चलाकर ईंधन के रुप में प्रयोग किया जा सकता है तथा गोबर गैस प्लाण्ट से निकला गोबर खेतों के लिए अच्छी खाद के रुप में उपयोग करके उत्पादकता बढ़ायी जा सकती है।
- ✓ कृषकों को अच्छी प्रजाति के पशु उपलब्ध कराना।
- ✓ पशुओं के इलाज हेतु सस्ती सुविधाएं एवं वैक्सीन की उपलब्धता कराना।
- ✓ पशुओं हेतु कृत्रिम गर्भाधान की व्यवस्था कराना।
- ✓ पशुओं के शारीरिक भार एवं दुग्ध उत्पादन के अनुसार उनके आहार में चारे एवं दाने के संतुलित मिश्रण के लिए पशुपालकों को प्रशिक्षित किया जाना।

- ✓ ग्राम पंचायत स्तर पर पशु अस्पताल एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था न्यूनतम धनराशि पर किया जाना।
- ✓ सरकारी भूमि को चारागाह के रुप में विकसित कराना।
- ✓ पशुधन मांस के निर्यात को प्रोत्साहन देना।

(ii) डा0 आर0एन0 ओझा, प्रोफेसर (अवकाश प्राप्त), अर्थशास्त्र विभाग, तिलकधारी महाविद्यालय, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा पूर्वान्चल क्षेत्र में पशुपालन तथा दुग्ध से कृषकों की आय में वृद्धि हेतु निम्नलिखित सुझाव दिये गये:-

- ✓ प्राथमिक क्षेत्र एवं उससे जुड़े पशुपालन एवं डेरी उद्योग के विकास से सम्बन्धित योजनाओं का प्रशिक्षण सर्वप्रथम ग्राम पंचायतों को दिया जाय तदुपरान्त इनका क्रियान्वयन कृषकों एवं इससे जुड़े हुए ग्रामीणों को प्रशिक्षित कर सम्पादित कराया जाना चाहिये।
- ✓ पशुपालन, मुर्गी पालन व डेरी उद्योग के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित हैं किन्तु कृषकों में योजनाओं की जानकारी की अनुपलब्धता, प्रशिक्षण का अभाव, पूंजी की कमी तथा पशुओं की बीमारियों के लक्षण की पहचान न होने के कारण इन योजनाओं का लाभ नहीं हो पाता है। अतः इस दिशा में ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है।
- ✓ दूध एवं दूध से बने उत्पादों को कुटीर उद्योग के रुप में विकसित कर कृषकों की आय में वृद्धि की जा सकती है। इसके साथ ही दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के क्रय-विक्रय हेतु ग्रामीण बाजार को विकसित किये जाने पर बल दिया जा सकता है।
- ✓ पशुपालन को प्रोत्साहित करने हेतु पशुधन बीमा को प्रोत्साहित किया जाना।

- **<u>कृषकों को नवीन तकनीकों हेतु प्रोत्साहित करना</u>**

डा0 एन0के0 मिश्रा, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, कृषि प्रसार विभाग, तिलकधारी महाविद्यालय तथा डा0 अवधेश कुमार सिंह, प्रोफेसर, कृषि रसायन विभाग, पी0जी0 कॉलेज, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा पूर्वान्चल क्षेत्र में कृषकों को नवीन तकनीकों हेतु प्रोत्साहित करने के सम्बन्ध में निम्नलिखित सुझाव दिये गये:-

- ✓ परिशुद्ध कृषि प्रबन्धन अवधारणा के अन्तर्गत ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम, जी0आई0एस0, रिमोट सेंसिंग जैसे उपकरणों का प्रयोग कर फसलों और मिट्टी को उचित मात्रा में पोषक तत्व दिये जाना।
- ✓ ड्रोन तकनीक का उपयोग खेत की स्थिति, डेटा मैपिंग, फसलों की देखभाल, कीटनाशकों का छिडकाव, मौसम की जानकारी आदि में करने हेतु प्रोत्साहित करना।
- ✓ वर्टीकल फार्मिंग के अन्तर्गत संरक्षित ढ़ाचें, ग्रीन हाउस या इनडोर में फसल उगाना।
- ✓ डिजिटल मार्केटिंग की मदद से मण्डी डीलरों एवं बिचौलियों से सम्पर्क करने में आसानी होना तथा इनकी सहायता से घर से बीजों की डिलीवरी एवं फसलों की बिक्री किया जाना।
- ✓ खेतों में पक्षियों को भगाने हेतु हाईटेक उपकरण- लेजर बिजूका का उपयोग करना।

- ✓ खेत की सीमाओं को पता लगाने, उर्वरकों, कीटनाशकों और शाकनाशियों को सही तरीके से प्रयोग करने में जी0पी0एस0 तकनीक का उपयोग करना।
- ✓ तरल नैनो यूरिया के प्रयोग को प्रोत्साहन देना।
- ✓ मृदा सेंसर का उपयोग कर मृदा की नमी का स्तर, तापमान और फसलों की वृद्धि करने वाले अन्य कारकों का डेटा संकलित करके कृषकों तक पहुँचाना।
- ✓ गायों का दूध निकालने, फल और सब्जियों को चुनने तथा घास काटने जैसे श्रम आधारित कार्यों के लिये कृषि रोबोट के उपयोग पर विचार करना।
- ✓ कृषकों द्वारा खेतों में सौर पैनल लगाकर सस्ती और स्थायी ऊर्जा का उपयोग किया जाना।
- ✓ फसल अवशेष प्रबन्धन के अन्तर्गत फसलों की कटाई के बाद कृषि वस्तुओं को सम्भालने, भण्डारण एवं परिवहन की व्यवस्था कराना।
- ✓ ऊसर मृदा के सुधार हेतु कार्बनिक पदार्थ यथा- पुआल, गोबर की खाद, प्रेसमड एवं हरी खादों जैसे ढैंचा, सनई आदि का उपयोग करना।
- ✓ किसानों को नवीन तकनीकों के उपयोग के लिये प्रशिक्षित करना।

- **<u>गोदामों की उपलब्धता</u>**

डा0 एन0के0 मिश्रा, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, कृषि प्रसार विभाग, तिलकधारी महाविद्यालय तथा डा0 जगदीश सिंह दीक्षित, प्रवक्ता (अवकाश प्राप्त), वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा पूर्वान्चल क्षेत्र में गोदामों की उपलब्धता के सम्बन्ध में उ0प्र0 राज्य भण्डारण निगम की योजनाओं यथा- कृषक प्रशिक्षण सेवा योजना, कीट परिनाशक सेवा योजना, प्रदेश की 40 मण्डी समितियों में सहभागिता के आधार पर 5000 एम0टी0 के गोदाम बनाये जाने आदि के विषय में अवगत कराते हुए निम्नलिखित सुझाव दिये गयेः-

- ✓ पूर्वान्चल क्षेत्र में कृषि उत्पादन की स्थिति एवं भंडारण की आवश्यकता के सम्बन्ध में व्यापक पैमाने पर सर्वेक्षण कराया जाना चाहिये।
- ✓ सरकारी विभागों, सहकारी समितियों एवं निजी निवेशकों के साथ मिलकर गोदाम निर्माण की ग्राम स्तर तक की योजना बनायी जानी चाहिये।
- ✓ गोदामों को सीलन से बचाने हेतु ऊँचे स्थानों पर बनाया जाना चाहिये।
- ✓ गोदामों तक पहुँचने हेतु सड़कें चौड़ी तथा पार्किंग की समुचित व्यवस्था होनी चाहिये।
- ✓ सरकार की ओर से अनुदान या सस्ते ऋण की सुविधा उपलब्ध कराकर छोटे कृषकों को गोदाम निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।
- ✓ बड़े गोदाम सरकार या निजी भागीदारी द्वारा बनाये जाने तथा उनकी देखभाल एवं सुरक्षा के लिये स्थानीय लोगों को वरीयता दिये जाने पर विचार करना चाहिये।
- ✓ आधुनिक भण्डारण तकनीकों के उपयोग हेतु किसानों को गोदाम प्रबन्धन एवं भण्डारण तकनीकों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिये।
- ✓ गोदामों के माध्यम से फसलों का सही मूल्य सुनिश्चित करने हेतु विपणन नेटवर्क सुनिश्चित किया जाना चाहिये।

17- श्री नरेन्द्र सिंह, मा0 उपाध्यक्ष द्वारा बैठक में चर्चा के दौरान बोर्ड के मा0 पदाधिकारीगण द्वारा उठाये गये महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रशासनिक अधिकारियों/ विभागीय प्रतिनिधियों से जानकारी उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया जिसका विवरण निम्नवत् है:-

17.1 <u>मुख्य विकास अधिकारी, बलरामपुर</u>

मुख्य विकास अधिकारी, बलरामपुर द्वारा माँ पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना, ईको पर्यटन के संबंध में कराये जा रहे विकास कार्यों तथा थारू जनजाति से संबंधित बनाये जा रहे संग्रहालय के विषय में अवगत कराया गया।

17.2 <u>मुख्य विकास अधिकारी, बहराइच</u>

मुख्य विकास अधिकारी, बहराइच द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद बहराइच प्रदेश के महत्वाकांक्षी जनपदों में आता है। जनपद में लाइब्रेरी, मशरूम उत्पादन के लिए प्रशिक्षण, गौवंश के संरक्षण के लिए गौशालाओं की व्यवस्था तथा पर्यटन से संबंधित कई विकास कार्य कराये जा रहे हैं। इसके साथ ही भेड़ियों के आक्रमण से जनसामान्य को सुरक्षित करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में आवास, शौचालय एवं सोलर लाइट की व्यवस्था कराई जा रही है।

17.3 <u>अतिरिक्त ऊर्जा</u>

विभागीय प्रतिनिधि द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्राविधानों, संबंधित वेबसाइट तथा देवीपाटन मण्डल में विभागीय लक्ष्यों के संबंध में अवगत कराया गया।

17.4 <u>लोक निर्माण</u>

विभागीय प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि शिकरी घाट पर पुल से संबंधित परियोजना का प्रस्ताव पूर्व में मानक पूर्ण न होने के कारण सम्भव नहीं हो सका था। इस संबंध में पुन: कार्यवाही की जा रही है।

17.5 <u>बेसिक शिक्षा</u>

विभागीय प्रतिनिधि द्वारा देवीपाटन मण्डल में बेसिक शिक्षा हेतु संचालित कायाकल्प योजना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से संबंधित निपुण योजना तथा विभागीय अधिकारियों द्वारा किये गये औचक निरीक्षणों के बारे में अवगत कराया गया।

17.6 <u>माध्यमिक शिक्षा</u>

विभागीय प्रतिनिधि द्वारा देवीपाटन मण्डल में माध्यमिक शिक्षा हेतु प्रोजेक्ट अलंकार योजना के विषय में अवगत कराते हुए विद्यालयों में शिक्षकों के पदों की रिक्तता होने की जानकारी दी गई।

17.7 <u>उद्योग</u>

विभागीय प्रतिनिधि द्वारा देवीपाटन मण्डल में संचालित प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्य, प्राप्त आवेदनों, सत्यापन तथा प्रशिक्षण की स्थिति आदि के विषय में जानकारी दी गई।

18- उप निदेशक पर्यटन, देवीपाटन मण्डल द्वारा बैठक में देवीपाटन मण्डल के अन्तर्गत आने वाले चार जनपदों में पर्यटन विकास के संबंध में कराये जा रहे कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया। इस प्रस्तुतीकरण के अन्तर्गत जनपद गोण्डा में कराये जा रहे विविध कार्यों यथा- परासर मुनि आश्रम, परासपट्टी मझवार का जीर्णोद्धार, परासर मुनि आश्रम में अतिथि भवन यज्ञशाला एवं सोलर लाइट, ग्राम पंचायत पसका में स्थित सरयू नदी घाट का जीर्णोद्धार, परास पट्टी मझवार में स्थित मॉ भुवनेश्वरी मंदिर का सौन्दर्यीकरण, स्वामी नारायण मंदिर छपिया, सगरा तालाब, महर्षि यमदग्नि आश्रम जमथा, मॉ बाराही उत्तरी भवानी मंदिर बेलसर का पर्यटन विकास आदि की जानकारी दी गई। इसी क्रम में जनपद बलरामपुर में विविध कार्य यथा-चाउरखाता मंदिर, तुलसीपुर शिव मंदिर, राही पर्यटक आवास का उच्चीकरण, देवीपाटन मंदिर परिसर में वाटर स्क्रीन एवं फाउन्टेन का कार्य, हनुमानगढ़ी आदि का प्रस्तुतीकरण किया गया। इसके साथ ही जनपद बहराइच में महराजा सुहेलदेव स्मारक का निर्माण, चित्तौरा झील का विकास, बाबा परमहंस कुटी आदि की जानकारी दी गई। इसी क्रम में जनपद श्रावस्ती में सीताद्वार स्थान पर अवस्थित झील, विभूतिनाथ मंदिर, साइनेस लगाने आदि पर्यटन कार्यो की स्थिति प्रस्तुत की गयी।

19- श्री नरेन्द्र सिंह, मा0 उपाध्यक्ष, पूर्वान्चल विकास बोर्ड द्वारा अवगत कराया गया कि मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश के अनुपालन में चार महत्वपूर्ण विषयों पर विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों से सुझाव तैयार कराये जाने के क्रम में कई शिक्षाविद दिनांक 11 जुलाई, 2024 को बस्ती मण्डल, बस्ती में आयोजित बोर्ड की बैठक में उपस्थित थे जिसमें उनके द्वारा सम्बन्धित विषयों पर सुझाव भी दिये गये थे। इसी क्रम में संदर्भित चार विषयों पर दिनांक 04 सितम्बर, 2024 को आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज, अयोध्या में विषय विशेषज्ञों एवं कुलपति के साथ बैठक की गयी थी। उक्त बैठक का कार्यवृत्त मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा स्वीकृत हो चुका है। इसके साथ ही मा0 उपाध्यक्ष द्वारा निम्नवत् सुझाव दिये गये:-

- ग्रामीण धार्मिक पर्यटन से भी आय में वृद्धि हो सकती है। बड़े-बड़े धार्मिक केन्द्रों का विकास सरकार द्वारा किया जा रहा है। अत: प्रत्येक जिले में ग्रामीण अंचल स्थित धार्मिक केन्द्रों को पर्यटन की दृष्टि से भी विकसित करना चाहिये।
- विन्ध्याचल मण्डल, मिर्जापुर में एक सर्किट हाउस की नितान्त आवश्यकता है।
- जनपद आजमगढ़ में दत्तात्रेय आश्रम, चन्द्रमा ऋषि आश्रम, दुर्वासा धाम, भैरोनाथ स्थान, पल्हना देवी धाम, सिद्धेश्वरी धाम सिधौना तथा वाराह भगवान मन्दिर डुमाव/पकड़ी का विकास एवं सुन्दरीकरण कार्य किया जाना।
- देवीपाटन मण्डल में जनपद बलरामपुर स्थित देवीपाटन मन्दिर तथा जनपद श्रावस्ती में भगवान बुद्ध से संबंधित स्थानों का विकास किया जाना।
- जनपद आजमगढ़ में कृषि महाविद्यालय के पास पर्याप्त भूमि की व्यवस्था नहीं है। अत: कॉलेज को भूमि उपलब्ध कराकर पी0जी0 कॉलेज बनाने पर विचार किया जाना चाहिए।

- जनपद आजमगढ़ में पुरानी जेल की जमीन को उद्यान विभाग को हस्तान्तरित करके एक भव्य पार्क विकसित किया जाना।
- बोर्ड की अनुशंसा से जनपद आजमगढ़ में लालगंज लहुआ मार्ग गायत्री मोड़ तक 10 कि0मी0 की सड़क लागत लगभग रु0 19 करोड़ में बन रही है। अतः सड़क का निर्माण मानक के अनुसार किये जाने हेतु संबंधित विभाग द्वारा विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है।
- बेसिक शिक्षा में अध्यापकों की उपस्थिति सुनिश्चित किया जाना।
- माध्यमिक शिक्षा के स्तर में सुधार की आवश्यकता।
- गोण्डा- कटरा फोर लेन सड़क का निर्माण किया जाना।
- गोरखपुर-लखनऊ, कुशीनगर-देवरिया-गोरखपुर-सन्त कबीर नगर-बस्ती-अयोध्या-बाराबंकी को 6 लेन के लिये लोक निर्माण विभाग द्वारा एन0एच0ए0आई0 को प्रस्तावित करना।

अन्त में धन्यवाद के उपरान्त श्री नरेन्द्र सिंह, मा0 उपाध्यक्ष द्वारा बैठक की कार्यवाही समाप्त की गयी।

पुलकित खरे
विशेष सचिव

क्षेत्रीय नियोजन प्रभाग
(सचिवालय-पूर्वान्चल विकास बोर्ड)
राज्य नियोजन संस्थान (नवीन प्रभाग) उ0प्र0,
योजना भवन, लखनऊ

संख्याः 94 /पी0बी0/क्षे0नि0प्र0/2024 दिनांकः 16 अक्टूबर, 2024

प्रतिलिपिः- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. पूर्वान्चल विकास बोर्ड के सभी पदाधिकारीगण।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उ0प्र0।
3. पूर्वान्चल विकास बोर्ड के सभी सरकारी/विशेष आमंत्री सदस्य।
4. सम्बन्धित विभाग/उपस्थित अधिकारीगण।
5. निजी सचिव, प्रमुख सचिव/विशेष सचिव, नियोजन विभाग, उ0प्र0 शासन।

आज्ञा से,

(पुलकित खरे)
विशेष सचिव

श्री नरेन्द्र सिंह, मा0 उपाध्यक्ष, पूर्वान्चल विकास बोर्ड की अध्यक्षता में दिनांक 01 अक्टूबर, 2024 को देवीपाटन मण्डल, गोण्डा में आयोजित बोर्ड की बैठक में प्रतिभागियों की उपस्थिति।

1. श्री नरेन्द्र सिंह, मा0 उपाध्यक्ष, पूर्वान्चल विकास बोर्ड।
2. श्री जय प्रकाश निषाद, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड।
3. श्री विजय शंकर यादव, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड।
4. श्री परदेशी रविदास, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड।
5. श्री बौद्ध अरविन्द सिंह पटेल, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड।
6. श्री जितेन्द्र पाण्डेय, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड।
7. श्री विजय विक्रम सिंह, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड।
8. श्री राज कुमार शाही, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड।
9. डॉ0 के0पी0 श्रीवास्तव, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड।
10. श्री अशोक चौधरी, मा0 सदस्य, पूर्वान्चल विकास बोर्ड।
11. श्री शशि भूषण लाल सुशील, आयुक्त, देवीपाटन मण्डल, गोण्डा।
12. श्रीमती नेहा शर्मा, जिलाधिकारी, गोण्डा।
13. श्री पुलकित खरे, विशेष सचिव,नियोजन विभाग, उ0प्र0 शासन।
14. श्रीमती अंकिता जैन, मुख्य विकास अधिकारी,गोण्डा।
15. श्री हिमांशु गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी, बलरामपुर।
16. श्री मुकेश चन्द्र, मुख्य विकास अधिकारी, बहराइच।
17. श्री पंकज कुमार शुक्ला, प्रभागीय वनाधिकारी, गोण्डा।
18. श्री अजीत प्रताप सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी, बहराइच।
19. श्री राकेश कुमार पाण्डेय, संयुक्त विकास आयुक्त, देवीपाटन मण्डल, गोण्डा।
20. श्री वी0के0 अग्रवाल, निदेशक, ए0पी0डी0/सचिवालय-पूर्वान्चल विकास बोर्ड, नियोजन विभाग, लखनऊ।
21. श्री दीपक अग्रवाल, मुख्य अभियंता (हाईडिल), ऊर्जा विभाग।
22. श्री ए0एस0 चौरसिया, मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग।
23. डा0 जयंत कुमार, अपर निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग।
24. डा0 एन0पी0 सिंह, अपर निदेशक, पशुपालन विभाग।
25. श्री वाई0पी0 सिंह, अपर निदेशक, वित्त विभाग।
26. श्री कौस्तुभ कुमार सिंह, अपर निदेशक, बेसिक शिक्षा विभाग।
27. श्री सत्येन्द्र नाथ पाण्डेय, सम्भागीय खाद्य विपणन अधिकारी, खाद्य एवं रसद विभाग।
28. श्री सुजीत कुमार सिन्हा, अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग।
29. श्री एन0पी0 सिंह, अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई विभाग।
30. श्री मनोज साहू, अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई विभाग।

31. श्री राजेश कुमार, अधीक्षण अभियंता (हाईडिल), ऊर्जा विभाग।
32. श्री राजेन्द्र सिंह, अधीक्षण अभियंता (हाईडिल), ऊर्जा विभाग।
33. श्री अच्युता नन्द, अधीक्षण अभियंता, नलकूप मण्डल, सिंचाई विभाग।
34. श्री लालजी, अधीक्षण अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग।
35. श्री धर्मेन्द्र, अधीक्षण अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम।
36. श्री राजेश राय, संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण), व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग।
37. डा0 ओम प्रकाश गुप्ता, संयुक्त निदेशक, माध्यमिक शिक्षा विभाग।
38. श्री लोकेन्द्र सिंह, संयुक्त निदेशक, कृषि विभाग।
39. श्री राम समुझ, जिला विकास अधिकारी,श्रावस्ती।
40. श्री पुनीत वर्मा, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, गोण्डा।
41. डॉ0 आदित्य वर्मा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग।
42. श्री जय सिंह, अधिशासी अभियन्ता, बाढ़ खण्ड, सिंचाई विभाग।
43. श्री संदीप कुमार, अधिशासी अभियन्ता (हाईडिल), ऊर्जा विभाग।
44. श्री राहुल बरनवाल, अधिशासी अभियन्ता (हाईडिल), ऊर्जा विभाग।
45. श्री विजय कुमार, अधिशासी अभियंता, लघु सिंचाई विभाग।
46. श्री जे0बी0 सिंह, अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग।
47. श्री अजीत चौधरी, अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 आवास विकास परिषद।
48. श्री सुनील कुमार, अधिशासी अभियन्ता, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, श्रावस्ती।
49. श्री संजीव कुमार वर्मा, अधिशासी अभियन्ता, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, बहराइच।
50. श्री पी0के0 त्रिपाठी, अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग।
51. श्री वी0के0 त्रिपाठी, अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग।
52. श्री आर0के0 यादव, अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (नगरीय)।
53. श्री मनोज कुमार, अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण, गोण्डा।
54. श्री अर्पित, अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण, बलरामपुर।
55. श्री एस0के0 सिंह, अधिशासी अभियन्ता, ई0डी0डी0-II, गोण्डा।
56. श्री विनोद कुमार, उप निदेशक, अर्थ एवं संख्या, नियोजन विभाग।
57. श्री दिनेश चौहान, उप निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग।
58. श्री राजेन्द्र सिंह बिष्ट, उप निदेशक, मत्स्य विभाग।
59. श्री राजेन्द्र प्रसाद, उप निदेशक, पर्यटन विभाग।
60. श्री गिरीश चंद्र, उप निदेशक, पंचायतीराज विभाग।
61. श्री नरेन्द्र प्रताप सिंह, उप निदेशक, महिला कल्याण विभाग।
62. श्री भूपेन्द्र कुमार सिंह, उप निदेशक, दिव्यांगजन एवं सशक्तिकरण विभाग।

63. श्री हरीश कुमार, उप निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग।
64. श्री रतीश कुमार, उप निदेशक, समाज कल्याण विभाग।
65. श्री प्रेम कुमार ठाकुर, उप निदेशक, कृषि विभाग।
66. डा0 ललित कुमार सिंह, वरिष्ठ शोध अधिकारी, नियोजन विभाग।
67. श्री तेजई प्रसाद, वरिष्ठ शोध अधिकारी, नियोजन विभाग।
68. श्री तेज सिंह, डी0डी0सी0, मण्डी परिषद।
69. श्री बाबू राम, उपायुक्त, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग।
70. सुश्री विजय प्रभा, उपायुक्त (खाद्य), खाद्य एवं रसद विभाग।
71. श्री अनुभव वर्मा, उप श्रमायुक्त, श्रम एवं सेवायोजन विभाग।
72. श्री कुशल पाल सिंह, सहायक चीनी आयुक्त, गोण्डा।
73. डॉ0 आर0पी0 राम, उप गन्ना आयुक्त, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग।
74. श्री वेद प्रकाश, उप प्रभागीय वनाधिकारी, श्रावस्ती।
75. श्री अरविन्द प्रकाश, उप निबन्धक, सहकारिता विभाग।
76. श्री राम निवास यादव, शोध अधिकारी, नियोजन विभाग।
77. श्री ए0के0 सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, गोण्डा।
78. प्रो0 श्रीश कुमार सिंह, डीन, कृषि, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
79. डा0 अवधेश कुमार सिंह, प्रोफेसर, पी0जी0 कॉलेज, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
80. डा0 नलिन कुमार मिश्रा, प्रोफेसर, टी0डी0पी0जी0 कॉलेज, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
81. डा0 राजेश कुमार पाल, प्रोफेसर, टी0डी0पी0जी0 कॉलेज, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
82. डा0 हनुमान पाण्डेय, मृदा वैज्ञानिक, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या।
83. श्री प्रभु नाथ मिश्र, प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गोण्डा।
84. डा0 एस0के0 वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विकास केन्द्र, मनकापुर, गोण्डा।
85. श्री मुकेश जायसवाल, मण्डी सचिव, गोण्डा।
86. श्री राजीव कुमार खण्डेलवाल, डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर, उ0प्र0 राज्य सेतु निगम, लोक निर्माण विभाग।
87. श्री रोहित अग्रवाल, उप परियोजना प्रबन्धक, उ0प्र0 राज्य सेतु निगम, लोक निर्माण विभाग।
88. श्री मनोज मौर्या, जिला कार्यक्रम अधिकारी, आई0सी0डी0एस0, गोण्डा।
89. श्री प्रिंस कुमार मल्ल, सहायक अभियंता, लोक निर्माण विभाग।
90. श्री मांगी लाल जाट, सहायक अभियंता, लोक निर्माण विभाग।
91. श्री राजकुमार शाहू, सहायक अभियंता, लोक निर्माण, बलरामपुर।
92. इं0 बी0 यादव, प्रोजेक्ट मैनेजर,उ0प्र0 राज्य पर्यटन विकास निगम।

93. श्री संतोष कुमार, एस0डी0ओ0, कतर्निया घाट, वन विभाग।

94. सुश्री शिप्रा चौबे, सीनियर हाईड्रोलॉजिस्ट, भू-गर्भ जल विभाग।

95. श्री सुरेन्द्र कुमार, वरिष्ठ परियोजना अधिकारी, अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग।

96. श्री प्रदीप कुमार, सीनियर मैनेजर-सी, यू0पी0एस0आई0डी0ए0, जगदीशपुर।

97. इं0 अवनीश कुमार सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर, सी0एण्ड0डी0एस0, गोण्डा।

98. श्री मनीष श्रीवास्तव, पर्यटक सूचना अधिकारी, पर्यटन विभाग।

99. सुश्री वंदना पाण्डेय, पर्यटक सूचना अधिकारी, पर्यटन विभाग।

100. सुश्री अपूर्वा शुक्ला, जनजाति अधिकारी, जनजाति विकास विभाग।

101. सुश्री रागिनी वर्मा, अधिशासी अधिकारी, धनेपुर, गोण्डा।

102. श्री अमरनाथ, अधिशासी अधिकारी, तरबगंज, गोण्डा।

103. श्री संदीप तिवारी, सेनेटरी एवं फूड इंस्पेक्टर, नगरपालिका, गोण्डा।

104. श्री रत्नेश यादव, टी0ए0डी0, नगर पालिका परिषद, गोण्डा।

105. श्री अनिल कुमार सिंह, सहायक जिला सूचना अधिकारी, सूचना विभाग।

106. श्री सत्यवान मिश्रा, नोडल अधिकारी, यू0पी0एस0आई0डी0ए0, अयोध्या।

107. श्री धीरज कुमार, अवर अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग।

108. श्री गणेश कुमार गुप्ता, आर0ई0, सी0एण्ड0डी0एस0, गोण्डा।

109. श्री राधाकिशन, आर0आई0, नगर पालिका परिषद, गोण्डा।

110. श्री आई0बी0 सिंह, उप दुग्ध विकास अधिकारी, दुग्ध विकास विभाग।

111. श्री अमित कुमार, सहायक प्रबन्धक, यू0पी0एस0आई0डी0ए0।

112. श्री अजीत कुमार कनौजिया, हाईड्रोलॉजिस्ट, भू-गर्भ जल विभाग।

113. श्री एस0पी0 मिश्रा, सहायक प्रोजेक्ट मैनेजर,उ0प्र0 राज्य पर्यटन विकास निगम।

114. श्री रोहित जैसवाल, सिविल इंजीनियर, डूडा।

115. श्री गजेन्द्र सिंह, प्रधान सहायक, उ0प्र0 खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड।

116. डा0 आर0एन0 ओझा, प्रोफेसर (अवकाश प्राप्त), टी0डी0पी0जी0 कॉलेज,वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।

117.डा0 जगदीश सिंह दीक्षित, प्रवक्ता (अवकाश प्राप्त), वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।